E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 अंक: 23 पृष्ठ: 8 अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) जयपुर, गुरुवार 06 अगस्त, 2026 मूल्य: ₹10.00 प्रभात RNI NO. RJMUL/26/A4290

मार्क जुकरबर्ग ने CSAM, डीपफेक कंटेंट और ऑपरेटिंग सिस्टम में एरर को लेकर भारत सरकार से मांगी माफी

नई दिल्ली। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने बुधवार को बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम), डीपफेक कंटेंट और ऑपरेटिंग सिस्टम में एरर को लेकर भारत सरकार से माफी मांगी है। यह जानकारी सरकारी सूत्रों की ओर से दी गई। सरकारी सूत्रों ने बताया कि मेटा को स्पष्ट कर दिया गया था कि वे मध्यस्थ की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आते। वे ही तय करते हैं कि सामग्री किसे मिलेगी। आईटी एक्ट के तहत सेफ हार्बर उन पर लागू नहीं होता। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ खास तरह की सामग्री को बढ़ावा देने के लिए बड़ी रकम का भुगतान किया गया था। उन्होंने माफी मांगी और अपनी गलती पर खेद व्यक्त किया। इससे पहले सरकारी सूत्रों ने बताया था कि आईटी मंत्रालय ने मेटा समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें स्थानीय कानूनों का पालन करना होगा। साथ ही, संसदीय समिति ने फेसबुक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोस्ट को कुछ समय के लिए ब्लॉक करने को लेकर मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग से तीन दिनों के भीतर 'बिना शर्त माफी' मांगने को कहा था। अगर मेटा तय समय-सीमा के अंदर ऐसा नहीं कर पाता है, तो भारत में उसे मिलने वाली 'सेफ हार्बर प्रोटेक्शन' खत्म हो सकती है। प्रधानमंत्री का वीडियो गलत तरीके से हटाए जाने के मामले पर चर्चा करने के लिए मेटा के एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राजधानी में आईटी सचिव एस. कृष्णन से मुलाकात की। अधिकारियों ने मौजूदा नियमों का सख्ती से पालन करने की जरूरत पर जोर दिया और प्लेटफॉर्म के कथित गलत इस्तेमाल की घटनाओं पर चिंता जताई, जिसमें प्रधानमंत्री की पोस्ट को मनमाने ढंग से हटाना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को तुरंत हल करने की जरूरत है। जानकारी के मुताबिक, मेटा और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों ने कहा कि उनके पास पहले से ही कड़े इंटरनल नियम और फैक्ट-चेकिंग सिस्टम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके प्लेटफॉर्म का जान-बूझकर या जानकारी के साथ कोई गलत इस्तेमाल नहीं होने दिया जाता। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव को भेजे गए एक पत्र के में संसदीय समिति ने प्रधानमंत्री के भाषण को हटाए जाने के मामले को बहुत गंभीरता से लिया। बताया जाता है कि यह वीडियो, जिसमें पीएम मोदी परीक्षा से जुड़े विवादों और पेपर लीक के मामलों पर सरकार की कार्रवाई के बारे में छात्रों और 'जेन जी' को संबोधित कर रहे थे,लगभग पांच से छह घंटे तक फेसबुक पर उपलब्ध नहीं था। सरकारी सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को यह भी स्पष्ट किया गया कि भारत में संचालन करने वाली सभी डिजिटल कंपनियों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और उससे जुड़े नियमों का पूर्ण पालन करना होगा। अधिकारियों ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डिजिटल सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने मेटा से कंटेंट मॉडरेशन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने, शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा भारतीय कानूनों के अनुरूप प्रभावी निगरानी तंत्र विकसित करने पर भी जोर दिया। साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक सुधार करने की अपेक्षा जताई गई। वहीं, मेटा के प्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया कि कंपनी भारत सरकार के साथ लगातार समन्वय बनाए रखेगी और स्थानीय कानूनों एवं नियामकीय आवश्यकताओं का पालन सुनिश्चित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्लेटफॉर्म पर गलत या आपत्तिजनक सामग्री की पहचान और उसे हटाने की प्रक्रिया को और मजबूत बनाने के लिए निरंतर काम किया जा रहा है। फिलहाल इस पूरे मामले पर सरकार और मेटा के बीच संवाद जारी है। यदि भविष्य में किसी प्रकार के नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो संबंधित प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है। वहीं, सरकार का कहना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही सुनिश्चित करना और इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के हितों की रक्षा करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने विशेष रूप से बाल यौन शोषण सामग्री (CSAM), डीपफेक, फर्जी सूचना और राष्ट्रीय महत्व के संवेदनशील कंटेंट से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा जताई है। सूत्रों के अनुसार, सरकार इस पूरे मामले की निगरानी जारी रखेगी और भविष्य में भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के साथ नियमित संवाद बनाए रखेगी।

रूस की कार्रवाइयों पर यूरोपीय संघ सख्त, फ्रीज संपत्तियों से मिलने वाली आय यूक्रेन को देने का ऐलान

नई दिल्ली। यूक्रेन पर रूस की आक्रामक कार्रवाइयों की यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने निंदा की। उन्होंने कहा कि रूस को अपनी कार्रवाई की कीमत चुकानी होगी। उन्होंने बताया कि यूरोपियन यूनियन रूस की फ्रीज की गई संपत्तियों से मिलने वाली आय का उपयोग यूक्रेन की मदद के लिए करेगा। यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, ''एक बार फिर हम यूक्रेन पर रूस के हवाई हमलों की भयावह खबरें सुन रहे हैं। रूस को उस तबाही की कीमत चुकानी होगी जो उसने पहुंचाई है और यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऐसा हो, हम रूस की फ्रीज की गई संपत्तियों से मिलने वाली आय का उपयोग कर रहे हैं। हम उसी राशि में से अतिरिक्त 1.4 अरब यूरो यूक्रेन को उपलब्ध करा रहे हैं। यह सहायता रूस की ओर से छेड़े गए इस अवैध युद्ध के खिलाफ यूक्रेन के लगातार प्रतिरोध और रक्षा प्रयासों को मजबूत करने में मदद करेगी।'' रूस लगातार यूक्रेन पर अपनी सैन्य कार्रवाई को अंजाम दे रहा है। रूस ने एक बार फिर मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल करके यूक्रेन के कीव शहर में तबाही मचाई। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि यह बहुत बड़ा हमला था। रूस ने उन जगहों को निशाना बनाया है, जिनका युद्ध से कोई लेना-देना नहीं था। रूस के इन हमलों में 17 लोगों ने अपनी जान गंवा दी और करीब 44 लोग घायल हुए हैं।

महिपाल सिंह मकराना बोले- हम संघ के कार्यकर्ता, सरकार से कोई लड़ाई नहीं; युवक के परिवार की मांगें मानीं, यूजीसी पर संघर्ष जारी

जयपुर। श्री राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने कहा है कि उनकी सरकार से कोई लड़ाई नहीं है और वे स्वयं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रदर्शन के दौरान युवक की मौत के मामले में परिवार की प्रमुख मांगों को स्वीकार करने का आश्वासन दिया है, जिसके लिए वे सरकार के आभारी हैं। हालांकि, यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन से जुड़े मुद्दे) को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। बुधवार को जयपुर स्थित सिविल लाइंस में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के आवास पर करणी सेना के प्रतिनिधिमंडल और भाजपा नेताओं के बीच बैठक हुई। बैठक के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में मकराना ने बताया कि सरकार ने उनकी दो प्रमुख मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाया है, जबकि संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए दो से तीन दिन का समय मांगा गया है। महिपाल सिंह मकराना ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान घायल हुए युवक की बाद में मृत्यु हो गई थी। इस मामले में परिवार को सरकारी नौकरी देने और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर सरकार ने सहमति जताई है। उन्होंने बताया कि करणी सेना ने एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता की मांग रखी थी। सरकार ने कहा है कि नियमानुसार सहायता राशि तय की जाएगी। मकराना ने कहा कि परिवार के लिए सरकारी नौकरी सबसे बड़ा सहारा होगी, जबकि आर्थिक सहायता समय के साथ समाप्त हो सकती है। मकराना ने बताया कि सरकार ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए उनसे वीडियो और अन्य साक्ष्य मांगे हैं। उन्होंने कहा कि साक्ष्य उपलब्ध कराए जाएंगे और जांच के बाद दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने पांच दिनों के भीतर कार्रवाई का भरोसा दिया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पार्टी समाज को जोड़ने में विश्वास रखती है और किसी भी वर्ग के साथ भेदभाव नहीं चाहती।

सरदारशहर में निजी बसों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी, रोडवेज बसों में बढ़ी भीड़

सरदारशहर। कच्चा बस स्टैंड पर हाथ ठेला संचालकों को हटाने की मांग को लेकर निजी बस ऑपरेटरों द्वारा शुरू की गई अनिश्चितकालीन चक्का जाम हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। हड़ताल के चलते निजी बसों का संचालन पूरी तरह बंद रहने से ग्रामीण क्षेत्रों सहित आसपास के कस्बों और जिलों से आने-जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। निजी बसों के बंद रहने के कारण अधिकांश यात्रियों को राजस्थान रोडवेज की बसों का सहारा लेना पड़ा। सुबह से ही रोडवेज बस स्टैंड और कच्चा बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। रोडवेज ने अतिरिक्त बसों की व्यवस्था कर कुछ राहत देने का प्रयास किया, लेकिन सीटें जल्दी भर जाने से कई यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ा। मंगलवार शाम प्रशासन ने निजी बस ऑपरेटरों, हाथ ठेला संचालकों और कच्चा बस स्टैंड के व्यापारियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विवाद सुलझाने की कोशिश की। हालांकि लंबी वार्ता के बावजूद किसी भी मुद्दे पर सहमति नहीं बन सकी और बैठक बेनतीजा समाप्त हो गई। बस ऑपरेटरों का कहना है कि जब तक कच्चा बस स्टैंड परिसर से हाथ ठेला संचालकों को नहीं हटाया जाता और उनकी अन्य मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। आंदोलनकारी बस ऑपरेटर मंगलवार रात भी बस स्टैंड स्थित विश्राम गृह में डटे रहे और वहीं धरना जारी रखा। अब सभी की निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं। यदि दोनों पक्षों के बीच जल्द सहमति नहीं बनती है तो हड़ताल आगे भी जारी रह सकती है, जिससे आम यात्रियों के साथ-साथ स्थानीय व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित होने की आशंका है। हड़ताल के दूसरे दिन भी निजी बस स्टैंड पर सन्नाटा पसरा रहा, जबकि यात्रियों को वैकल्पिक साधनों की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ा। कई यात्रियों ने निजी वाहन, टैक्सी और ऑटो का सहारा लिया, जिससे उनका यात्रा खर्च भी बढ़ गया। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। उधर, बस ऑपरेटर अपने रुख पर कायम हैं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर प्रशासन की ओर से लिखित और ठोस आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक चक्का जाम और धरना जारी रहेगा। यदि हड़ताल लंबे समय तक जारी रही तो इसका आर्थिक प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है।

OBC आयोग ने सीएम भजनलाल शर्मा को सौंपी रिपोर्ट, आरक्षण तय होने के बाद शुरू होगी चुनाव प्रक्रिया

जयपुर। राजस्थान में लंबे समय से लंबित पंचायती राज संस्थाओं और नगरीय निकाय चुनावों का रास्ता अब साफ होता नजर आ रहा है। ओबीसी आयोग ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को सौंप दी है। रिपोर्ट मिलने के बाद राज्य सरकार अब ओबीसी आरक्षण तय करने की प्रक्रिया शुरू करेगी, जिसके बाद आरक्षित सीटों की लॉटरी निकाली जाएगी और चुनाव कार्यक्रम घोषित करने की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा। सरकार की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट में प्रस्तुत रोडमैप के अनुसार, ओबीसी आयोग की रिपोर्ट का अध्ययन कर स्वायत्त शासन विभाग और पंचायती राज विभाग नगरीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं में ओबीसी आरक्षण का निर्धारण करेंगे। इसके बाद वार्डों, पंचायतों और विभिन्न निर्वाचित पदों के लिए आरक्षित सीटों की लॉटरी निकाली जाएगी। सरकार का लक्ष्य 14 अगस्त तक यह प्रक्रिया पूरी करने का है। आरक्षण निर्धारण के बाद नगर निकायों में पार्षद, अध्यक्ष और महापौर सहित विभिन्न पदों तथा पंचायतों में सरपंच व अन्य पदों के लिए आरक्षित सीटों का अंतिम निर्धारण किया जाएगा। इसके बाद राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव कार्यक्रम जारी करेगा।

सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के षष्ठम सत्र के लिए सर्वदलीय बैठक 18 अगस्त को

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के षष्ठम सत्र के लिए सर्वदलीय बैठक मंगलवार 18 अगस्त को प्रातः 11:00 बजे विधानसभा में बुलाई है। उल्लेखनीय है कि सोलहवीं विधान सभा का षष्ठम सत्र 20 अगस्त से आरम्भ हो रहा है। राजस्थान विधान सभा में सर्वदलीय बैठक बुलाने की पहल करने वाले देवनानी पहले स्पीकर- सोलहवीं राजस्थान के स्पीकर वासुदेव देवनानी की यह पहल राजस्थान विधान सभा में ऐतिहासिक है। देवनानी राजस्थान के पहले स्पीकर है, जिन्होंने सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई है। सदन पवित्र स्थल, गरिमा बनाये रखना सभी का दायित्व - देवनानी ने कहा कि सदन जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने का पवित्र स्थल है। इस स्थल की गरिमा को बनाए रखना सभी दलों के विधायकों की सामूहिक जिम्मेदारी होती है। सदन को शांतिपूर्ण चलाने में सर्वदलीय बैठक अहम कदम है। सभी दल भाग लेंगे बैठक में - स्पीकर देवनानी ने बताया है कि बैठक में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, मुख्य सचेतक प्रतिपक्ष रफीक खान, विधायक डॉ. सुभाष गर्ग, मनोज कुमार, थावर चन्द को आमन्त्रित किया गया है। इसके लिए विधान सभा सचिवालय ने सभी को पत्र भेजे गये हैं। सर्वदलीय बैठक आपसी सहमति का महत्वपूर्ण कदम- विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम है। इससे सदन की कार्यवाही में सभी दलों की सहभागिता सुनिश्चित होती है और जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा का मार्ग प्रशस्त होता है। श्री देवनानी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक, विधान सभा सत्र शांतिपूर्ण चलने पर सभी दलों की सहमति का सार्थक एवं महत्वपूर्ण कदम है। देवनानी की अध्यक्षता में यह सातवीं सर्वदलीय बैठक - स्पीकर देवनानी की अध्यक्षता में सोलहवीं राजस्थान विधान सभा में यह सातवीं सर्वदलीय बैठक होगी। इससे पहले छः बैठके हो चुकी है। देवनानी ने कहा कि सर्वदलीय बैठकों की परंपरा लोकतांत्रिक संवाद और संसदीय समन्वय को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम रही है। पूर्व में आयोजित बैठकों से सदन की कार्यवाही के संबंध में विभिन्न दलों के बीच बेहतर सामंजस्य विकसित हुआ। सर्वदलीय बैठक से सदन के प्रभावी संचालन, जनमहत्व के विषयों पर सार्थक चर्चा तथा संसदीय परंपराओं एवं सदन की गरिमा के अनुरूप कार्यवाही संचालित करने में सकारात्मक वातावरण बना। उन्होंने कहा कि सर्वदलीय बैठकों से आपसी संवाद, विश्वास और सहयोग की भावना को बल मिलता है, जिससे विधानसभा जनअपेक्षाओं के अनुरूप अधिक प्रभावी, उत्तरदायी और परिणामोन्मुख भूमिका निभाने में सक्षम होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी सर्वदलीय बैठक भी षष्ठम सत्र को अधिक सुव्यवस्थित, गरिमापूर्ण और जनहित के प्रति समर्पित बनाने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

परिसीमन बिल पर बढ़ी हलचल, 16 से 18 अगस्त के बीच विशेष सत्र बुलाने की तैयारी, राहुल-रिजिजू में चर्चा

नई दिल्ली। संसद में जारी गतिरोध को दूर करने के प्रयासों के तहत आज संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू और राहुल गांधी के बीच लंबी मीटिंग हुई। सूत्रों के मुताबिक इस मुलाकात में परिसीमन बिल पर संसद का विशेष सत्र बुलाने को लेकर चर्चा हुई। सूत्रों का कहना है कि सरकार 15 अगस्त के बाद संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। सूत्रों के मुताबिक 16 से 18 अगस्त तक विशेष सत्र में सरकार की कोशिश होगी कि वह परिसीमन बिल पर चर्चा कर उसे पारित करा सके। वहीं इस संबंध में सरकार विभिन्न राजनीतिक दलों से संपर्क साध रही है ताकि इस बिल पर व्यापक सहमति बनाई जा सके। इसके साथ ही, सरकार अगले सप्ताह Foreign Contribution (Regulation) Amendment Bill, 2026 (एफसीआरए संशोधन विधेयक, 2026) को भी संसद में पेश करने की तैयारी कर रही है। यह विधेयक विदेशी अंशदान से जुड़े मौजूदा कानून में संशोधन का प्रस्ताव लेकर आएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सिकल सेल पर 'सटीक प्रहार'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार जनजातीय अंचलों में सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर आनुवंशिक बीमारी के नियंत्रण और रोकथाम के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। सरकार का फोकस केवल बीमारी की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि स्क्रीनिंग से लेकर समयबद्ध उपचार, नियमित फॉलोअप, टीकाकरण, काउंसलिंग और जागरूकता तक एक समग्र स्वास्थ्य सुरक्षा तंत्र विकसित करने पर है। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन-2047 के अनुरूप राज्य के जनजातीय बहुल जिलों में बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग अभियान चलाकर इस बीमारी के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ी जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कहना है कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन-2047 के अनुरूप राजस्थान सरकार का लक्ष्य सिकल सेल एनीमिया से लड़ने के लिए जनजातीय क्षेत्रों में मजबूत स्वास्थ्य सुरक्षा तंत्र तैयार कर आने वाली पीढ़ियों को इस बीमारी के दुष्प्रभाव से बचाना है।

संपादकीय

10 से 12 अगस्त तक होगा कक्षा 3 से 8 का ओरल रीडिंग फ्लूएंसी बेसलाइन आकलन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर।राज्य में मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के तहत कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों का हिन्दी विषय का मौखिक पठन प्रवाह ओरल रीडिंग फ्लूएंसी बेसलाइन आकलन 10 से 12 अगस्त 2026 तक शालादर्पण शिक्षक ऐप के माध्यम से कराने के निर्देश जारी किए हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक एवं समग्र शिक्षा अभियान के अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक (वरिष्ठ) ललित कुमार द्वारा जारी आदेश के अनुसार आकलन का उद्देश्य विद्यार्थियों की पठन दक्षता का मूल्यांकन कर शिक्षकों को उनकी पढ़ने की क्षमता संबंधी विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना है।

भीषण सड़क हादसा,कार और डंपर की टक्कर में 4 की मौत

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। अवस्था लूनकरणसर में नैशनल हाईवे पर दोपहर को एक कार और डंपर की भीषण भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। टाइगर फोर्स टीम के महिपाल सिंह लाखाऊ ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही टाइगर फोर्स के सदस्य तथा विश्वकर्मा मार्केट के व्यापारी एवं मिस्त्री तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। सभी ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए बिना समय गंवाए घायलों को तत्काल लूनकरणसर उप जिला अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद चारों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मृतकों के शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन भी मौके पर पहुंचा और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात को सुचारु कराया। दुर्घटनास्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी एकत्र हो गए, जिन्होंने राहत एवं बचाव कार्य में प्रशासन का सहयोग किया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। प्रारंभिक जांच के आधार पर मामले की पड़ताल की जा रही है।

राजस्थान की औसत मानसूनी बारिश 1981–2010 से 2011–2024 के बीच 21% बढ़ी, साथ में गर्मी और जलवायु परिवर्तनशीलता भी बढ़ी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। क्लाइमेट थिंट टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (CEEW) ने जयपुर में 'स्ट्रेंथनिंग क्लाइमेट रेजिलिएंस थ्रू एआई-ड्रिवन क्लाइमेट डिसीजंस एंड एक्शंस' विषय पर एक नॉलेज-शेयरिंग राउंडटेबल का आयोजन किया। सीईईडब्ल्यू के शोधकर्ताओं ने बताया कि भारत में 2026 का मानसून दो विरोधाभासी वास्तविकताएं प्रदर्शित कर रहा है। जहां कुछ राज्य विनाशकारी बाढ़ का सामना कर रहे हैं, वहीं अन्य राज्य गंभीर रूप से बारिश के घाटे का सामना कर रहे हैं, जिससे देश के आधे से अधिक जिले बारिश की कमी से प्रभावित हैं। जुलाई के मध्य तक, देश के 166 प्रमुख जलाशयों में उनकी कुल जल भंडारण क्षमता का लगभग 34 प्रतिशत पानी ही था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में काफी कम है। शोधकर्ताओं ने क्लाइमेट रेजिलिएंस एनालिटिक्स एंड विजुअलाइजेशन इंटेलिजेंस सिस्टम (CRAVIS.ai) का भी प्रदर्शन किया, जो सीईईडब्ल्यू द्वारा विकसित अपनी तरह का पहला एआई-संचालित क्लाइमेट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म है। क्रेविस (CRAVIS) पिछले 40 से अधिक वर्षों के ऐतिहासिक जलवायु आंकड़ों को 2030–2050 और 2051–2070 तक के अनुमानों के साथ जोड़ता है। यह विभिन्न उत्सर्जन और ग्लोबल वार्मिंग परिदृश्यों के तहत 279 संकेतकों (इंडिकेटर) के आधार पर जिला-स्तरीय विश्लेषण करने की सुविधा देता है। यह अपने उपयोगकर्ताओं को एक समग्र जोखिम विश्लेषण के लिए जलवायु आंकड़ों को क्षेत्रीय आंकड़ों - जैसे पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, भूमि उपयोग और सार्वजनिक स्वास्थ्य की जानकारी - के साथ रखकर देखने (overlay) की भी सुविधा देता है। इस प्लेटफॉर्म को एक कलेक्टिव डेटा कॉमन्स के रूप में तैयार किया गया है, जो इसके इंटेलिजेंस बेस को लगातार बढ़ाने और मजबूत बनाने के लिए विभिन्न संगठनों और हितधारकों को आंकड़ों और विश्लेषण में योगदान करने के लिए भी आमंत्रित करता है। क्रेविस (CRAVIS) के पूर्वाकलनों के अनुसार, अगले दो दशकों में भारी बारिश की घटनाओं में लगातार वृद्धि का अनुमान है। कई जिलों में प्रतिवर्ष भारी बारिश वाले 10 से 30 अतिरिक्त दिन देखे जा सकते हैं। महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे मध्य और दक्षिणी राज्यों में बारिश और गर्म दिनों, दोनों में अधिक वृद्धि होने का अनुमान है। राजस्थान, भारत के सबसे जलवायु-संवेदनशील राज्यों में से एक है, जिसकी शुष्क से अर्ध-शुष्क जलवायु इसे बढ़ती गर्मी और मानसून परिवर्तनशीलता के प्रति अत्यधिक सुभेद्य बनाती है। 2026 के सुपर अल नीनो के दौरान, ये संवेदनशीलताएं काफी तेजी से स्पष्ट होकर सामने आ रही हैं। पश्चिमी राजस्थान लंबे समय तक शुष्क स्थिति और धूल भरी आंधियों का, जबकि पूर्वी राजस्थान सामान्य से कम बारिश के साथ गर्म और उमस वाले मौसम का सामना कर रहा है। ये स्थितियां अल नीनो के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून के कमजोर पड़ते प्रभावों से मेल खाती हैं। साथ ही, राजस्थान में मानसूनी बारिश लंबी अवधि में लगातार वृद्धि की जगह पर परिवर्तनशीलता (उतार-चढ़ाव) में वृद्धि होने की प्रवृत्ति दिखाती है। औसतन मौसमी बारिश 1981-2010 के दौरान 471 मिलीमीटर थी, जो 2011-2024 में बढ़कर 598 मिलीमीटर हो गई। लेकिन 2051-2070 तक यह घटकर 569 मिलीमीटर हो जाने का अनुमान है, जो साल-दर-साल बढ़े बदलावों का संकेत देता है। क्रेविस (CRAVIS) एआई प्लेटफॉर्म पूरे राजस्थान में पूर्व-पश्चिम दिशा में लगातार हो रहा बदलाव भी रेखांकित करता है, जहां पश्चिमी और उत्तरी जिले सर्वाधिक गर्मी का जोखिम है, वहीं दक्षिण-पूर्वी जिलों को लगातार अधिक मानसूनी बारिश मिल रही है। मौजूदा अल नीनो इन मौजूदा जलवायु पैटर्न को विस्तार रहा है, जिससे जल संसाधनों, कृषि, पशुधन और ग्रामीण आजीविका पर दबाव बढ़ रहा है।

पूर्वी राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश सिंघल का भरतपुर में हुआ भव्य अभिनंदन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (नई दिल्ली) के नवनियुक्त पूर्वी राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश सिंघल का भरतपुर आगमन पर भव्य अभिनंदन किया गया। नई मंडी स्थित जिला अग्रवाल युवा महासभा कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय मंत्री राजेंद्र गोयल के सानिध्य में जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल एवं युवा टीम ने मुकेश सिंघल को माल्यार्पण एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय मंत्री राजेंद्र गोयल ने कहा कि मुकेश सिंघल के मनोनयन से भरतपुर जिले को प्रादेशिक स्तर पर अग्रवाल समाज का सशक्त प्रतिनिधित्व मिला है, जिससे संपूर्ण समाज में हर्ष का माहौल है। वहीं जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल ने उन्हें कर्मठ एवं समर्पित कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि वे पिछले कई दशकों से सम्मेलन और समाज हित के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहे हैं। मुकेश सिंघल वर्तमान में श्री अग्रवाल सेवा संस्थान, रणजीत नगर के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं, जिनके कार्यकाल में ट्रांसपोर्ट नगर में समाज के भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जिलाध्यक्ष ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए इस मनोनयन को पूरे जिले के लिए गौरव की बात बताया। इस दौरान राजेंद्र गोयल, ओमप्रकाश सिंघल, निखिल सिंघल, शुभम जिंदल सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश सिंघल ने सम्मान के लिए सभी पदाधिकारियों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

कक्षा-5 एवं 8 पूरक परीक्षा 2026 का परिणाम जारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। पंजीयक, शिक्षा विभागीय परीक्षाएँ, राजस्थान, बीकानेर द्वारा आयोजित प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र (कक्षा-8) पूरक परीक्षा-2026 तथा प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन (कक्षा-5) पूरक परीक्षा-2026 का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया गया। पंजीयक शीशराम कुलहरि ने बताया कि इन परीक्षाओं का आयोजन 20 जुलाई से 25 जुलाई 2026 तक राज्य के सभी 41 जिलों में निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर सफलतापूर्वक कराया गया। कक्षा-8 के 38,276 परीक्षार्थियों के लिए 436 परीक्षा केन्द्र तथा कक्षा-5 के 30,640 परीक्षार्थियों के लिए 449 परीक्षा केन्द्र स्थापित किए गए थे। परीक्षार्थी एवं अभिभावक अपना परिणाम शाला दर्पण के 5वीं-8वीं एग्जाम पोर्टल पर ऑनलाइन देख सकेंगे। उन्होंने बताया कि पूरक परीक्षाओं का उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों को एक और अवसर प्रदान करना है, जो मुख्य परीक्षा में अपेक्षित अंक प्राप्त नहीं कर सके थे।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का 16 अगस्त को अलवर में प्रस्तावित दौरा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

हनुमानगढ़। हरियाणा क्षेत्र से सिंचाई एवं पेयजल हेतु अपेक्षित मात्रा में पानी प्राप्त नहीं होने के कारण जल संसाधन विभाग राजस्थान के अधिकारियों ने मंगलवार को हरियाणा के टोहाना स्थित बलियाला हेड का दौरा कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण दल में जल संसाधन विभाग नोहर की अधिशासी अभियंता प्रियंका चौधरी, भादरा के अधिशासी अभियंता तिलोक कुमावत तथा नोहर के सहायक अभियंता मुकेश सुथार शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने टोहाना के अधिशासी अभियंता श्याम ढींगरा के साथ सिद्धमुख-नोहर फीडर एवं फतेहाबाद ब्रांच का संयुक्त निरीक्षण किया तथा सीपी-4 एवं सीपी-5 पर राजस्थान को अपेक्षाकृत कम पानी मिलने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता श्याम ढींगरा ने बताया कि पंजाब क्षेत्र से भाखड़ा मेन लाइन ब्रांच में लगभग 5000 क्यूसेक पानी की मांग के मुकाबले वर्तमान में केवल 3800 क्यूसेक पानी ही प्राप्त हो रहा है। इसके कारण राजस्थान के साथ साथ हरियाणा का भी सिंचाई तंत्र भी गंभीर रूप से प्रभावित है तथा सभी क्षेत्रों में सीमित जल उपलब्धता के अनुसार पानी का वितरण किया जा रहा है। नोहर एवं भादरा के अधिकारियों ने आग्रह किया कि वर्तमान जल संकट की स्थिति में राजस्थान की नहरों को भी समानुपातिक आधार पर पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जाए, जिससे किसानों को राहत मिल सके। इस पर अधिशासी अभियंता टोहाना ने आश्वस्त किया कि फतेहाबाद ब्रांच में पानी की मात्रा बढ़ा दी गई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव शीघ्र ही नोहर एवं भादरा क्षेत्र में चल रहे सिंचाई जल पर दिखाई देगा। बैठक के दौरान सिद्धमुख-नोहर फीडर की वर्तमान स्थिति पर भी चर्चा हुई। अधिशासी अभियंता श्याम ढींगरा ने बताया कि फीडर कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने के कारण अपनी निर्धारित क्षमता 829 क्यूसेक के स्थान पर वर्तमान में केवल लगभग 550 क्यूसेक पानी ही वहन कर पा रहा है। फतेहाबाद ब्रांच व नोहर फीडर की रीलाइनिंग हेतु डीपीआर तैयार करने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति (AFS) जारी की जा चुकी है।

जयपुर में ग्रेड थर्ड शिक्षकों का प्रदर्शन, तबादला नीति लागू करने की मांग तेज

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। तबादला नीति लागू करने की मांग को लेकर प्रदेशभर के तृतीय श्रेणी (ग्रेड थर्ड) शिक्षकों ने बुधवार को राजधानी जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने सरकार से जल्द तबादला प्रक्रिया शुरू करने, डेपुटेशन नीति में पारदर्शिता लाने तथा लंबे समय से लंबित मांगों का समाधान करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन को पूरे प्रदेश में और व्यापक रूप दिया जाएगा।

इस बीच पुलिस ने धरनास्थल के बाहर खड़ी एक पिकअप गाड़ी से जनरेटर हटवा दिया, जिससे प्रदर्शन के दौरान साउंड सिस्टम संचालित किया जा रहा था। थर्ड ग्रेड शिक्षक संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक सुनील महला ने आरोप लगाया कि सरकार अपने चुनावी वादों पर अमल नहीं कर रही है।

डिजिटल अंगदान प्रतिज्ञा अभियान में भीलवाड़ा प्रदेश में प्रथम, राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। डिजिटल अंगदान प्रतिज्ञा (Digital Organ Donation Pledge) अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 24 हजार से ज्यादा जिलेवासियों द्वारा अंगदान प्रतिज्ञा लेने पर राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर भीलवाड़ा जिले को बुधवार को राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया। राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (SOTTO), जयपुर द्वारा एसएमएस मेडिकल कॉलेज के न्यू एकेडमिक ब्लॉक ऑडिटोरियम में आयोजित भारतीय अंगदान दिवस राज्य स्तरीय समारोह में जिले की इस उपलब्धि का सम्मान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने जिला कलेक्टर श्री जसमीत सिंह संधू को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर यह सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने इस उपलब्धि पर जिलेवासियों एवं चिकित्सा विभाग की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान जिले के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री संजीव शर्मा, महात्मा गांधी चिकित्सालय के पीएमओ, चिकित्सा विभाग की पूरी टीम, विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों तथा जिले की जागरूक जनता को दिया। उन्होंने कहा कि अंगदान महादान है और इससे अनेक जरूरतमंद लोगों को नया जीवन मिल सकता है। भविष्य में भी जिले में अंगदान के प्रति जनजागरूकता के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री संजीव शर्मा ने बताया कि जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन तथा चिकित्सा विभाग के समन्वित प्रयासों से जिले में डिजिटल अंगदान प्रतिज्ञा अभियान को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप दिया गया।

प्रधानमंत्री के अंगदान के प्रति जागरूकता को प्रदेश में आगे बढ़ाया जाएगा - गजेंद्र सिंह खींवसर

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि अंगदान जीवनदान है और यह करुणा और सेवा का सच्चा उदाहरण है क्योंकि अंगदान का निर्णय अनेक परिवारों को नया जीवन और नई आशा देते हैं। एक व्यक्ति अंगदान से 8-9 लोगों को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 131वें एपिसोड में भी अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया है। हम सबका दायित्व है कि अंगदान के प्रति जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाए। खींवसर बुधवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज के सभागार में राष्ट्रीय अंगदान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने अंगदान का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि आज देश में आधार सत्यापित अंगदान प्रतिज्ञाओं का आंकड़ा 5 लाख से अधिक हो चुका है। जिसमें राजस्थानवासियों का योगदान 1.41 लाख से अधिक है। आज अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या में भारत, अमेरिका और चीन के बाद विश्व में तीसरे स्थान पर है। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि यह उन दिवंगत अंगदाताओंके प्रति गहरी कृतज्ञता का परिणाम है कि जिनके निस्वार्थ निर्णयों ने राष्ट्र को प्रेरित किया है और भारत के अंगदान आन्दोलन को मजबूत बनाया है। अंगदान के प्रति समाज में फैली भ्रान्तियों को दूर करने की आवश्यकता है। अंगदान करने वाले दाताओं और उनके परिजनों का सम्मान परे समाज को करना चाहिए। हमारा प्रयास है कि अंगदान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों का जीवन बचाया जा सके।

रूपवास में यूरिया की कालाबाजारी से किसान परेशानः 267 की जगह 370 रुपये में बेचा जा रहा कट्टा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

रूपवास (भरतपुर)। कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि विभाग की अनदेखी के चलते किसानों को यूरिया खाद तय सरकारी दरों से कहीं अधिक दामों पर खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बुधवार को सिरसोंदा (नगरपालिका) निवासी किसानों ने उपखण्ड अधिकारी (SDM) विष्णु बंसल के समक्ष उपस्थित होकर यूरिया की कालाबाजारी की लिखित शिकायत दर्ज कराई। 267 का कट्टा 320 से 370 में बेचने का आरोप किसानों का आरोपः सिरसोंदा निवासी किसान हेमंत और राजेश ने बताया कि वे खानुआं से यूरिया के चार कट्टे खरीदकर लाए थे, जिसके लिए दुकानदार ने प्रति कट्टा 370 वसूले। रूपवास का हालः वहीं एक अन्य किसान ने शिकायत की कि रूपवास से ही यूरिया का कट्टा 267 के स्थान पर 320 में दिया गया। प्रशासनिक रुखः शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम विष्णु बंसल ने कृषि विभाग के हेतराम शर्मा को तलब किया और अधिक दाम वसूलने वाले विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश जारी किए। इस संबंध में कृषि विभाग (बयाना) के सहायक निदेशक हरभान सिंह ने मामला संज्ञान में आने की पुष्टि करते हुए नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। शिकायत के दौरान किसानों ने बताया कि खरीफ सीजन के बीच यूरिया की मांग बढ़ने का फायदा उठाकर कुछ विक्रेता मनमाने दाम वसूल रहे हैं। उनका कहना है कि मजबूरी में फसलों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए उन्हें अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है, जिससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। किसानों ने प्रशासन से मांग की कि कृषि विभाग नियमित रूप से खाद विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण करे, स्टॉक और बिक्री रजिस्टर की जांच की जाए तथा निर्धारित सरकारी दर से अधिक मूल्य वसूलने वालों के लाइसेंस निलंबित करने जैसी सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को कालाबाजारी का सामना न करना पड़े। एसडीएम विष्णु बंसल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायत की तत्काल जांच कर दोषी पाए जाने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता या आर्थिक शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और निर्धारित दर से अधिक मूल्य वसूलने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। कृषि विभाग ने भी किसानों से अपील की है कि यदि कहीं भी यूरिया या अन्य उर्वरकों की कालाबाजारी, कृत्रिम कमी या निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तुरंत विभाग या स्थानीय प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर किसानों के हितों की रक्षा की जा सके।

राजस्थान/ प्रादेशिक

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत 6,139 नए आवासों को मिली स्वीकृति, 153.47 करोड़ रुपये की सरकारी सहायता स्वीकृत

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित राज्य स्तरीय स्वीकृति एवं निगरानी (एसएलएसएमसी) की बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत 6,139 नए बेनिफिशियरी लेड कंस्ट्रक्शन (बीएलसी) आवासों को स्वीकृति प्रदान की गई। इन आवासों के लिए 153.47 करोड़ रुपये की सरकारी सहायता स्वीकृत की गई। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के अंतर्गत निर्माण प्रारंभ नहीं हो सके 6,593 आवासों के संबंध में भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आगे की कार्यवाही पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि पात्र शहरी परिवारों को समय पर गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत आवासों का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराया जाए तथा योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि बेनिफिशियरी लेड कंस्ट्रक्शन (बीएलसी) और अफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनरशिप (एएचपी) के अंतर्गत अपनाई गई श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को सभी शहरी निकायों में प्रभावी रूप से अपनाया जाए, ताकि योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक समय पर पहुंच सके। मुख्य सचिव ने बताया कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को आवास निर्माण के लिए 2.50 लाख रुपये की सरकारी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। स्वीकृत सभी आवासों के लिए प्रथम किस्त के रूप में लगभग 61 करोड़ रुपये जारी किए जाने है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन आलोक गुप्ता, शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन सहित जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, राजस्व एवं उपनिवेशन, वित्त, ऊर्जा, मुख्य नगर नियोजक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के संयोजक तथा रुडसिको के कार्यकारी निदेशक एवं मिशन निदेशक (पीएमएवाई-यू) सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत आवासों का निर्माण गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराया जाए। किस्तों के भुगतान और निर्माण संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया गया।

राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्णिम बेटी अरुंधति चौधरी का जयपुर में भव्य स्वागत

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर।(विनोद धायल) ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल-2026 में महिलाओं की 70 किलोग्राम मुक्केबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाली राजस्थान की बेटी अरुंधति चौधरी के स्वदेश लौटने पर बुधवार को जयपुर में उनका भव्य स्वागत किया गया। राजस्थान सरकार के मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित सम्मान समारोह में अरुंधति का अभिनंदन करते हुए उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि को पूरे प्रदेश के लिए गौरव का क्षण बताया।

समारोह में राजस्थान सरकार के राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा, विधायक भागचंद टांकड़ा, राज्यमंत्री मंजू बाघमार, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, पूर्व सांसद संतोष अहलावत तथा आरुषि मलिक सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर स्वर्ण विजेता मुक्केबाज का सम्मान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनकी उपलब्धि प्रदेश की लाखों बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

नव-निर्मित पशु चिकित्सालय का विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने किया निरीक्षण, लागत 42 लाख रुपए

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बयाना। बयाना-रूपवास विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने बुधवार को बयाना शहर में लगभग 42 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन नव-निर्मित पशु चिकित्सालय भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विधायक डॉ. बनावत ने कहा कि इस आधुनिक पशु चिकित्सालय के शुरू होने से क्षेत्र के पशुपालकों को बड़ी राहत मिलेगी। यहां पशुओं के उपचार, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच तथा अन्य पशु चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे पशुपालकों को दूर-दराज के क्षेत्रों में नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को बढ़ावा देने और पशुपालकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। नया पशु चिकित्सालय क्षेत्र में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करेगा तथा पशुपालकों के समय और खर्च दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है और किसानों की आय बढ़ाने में इसकी अहम भूमिका है।

दिनदहाड़े बैंक कैश वैन से 50 लाख से अधिक की लूट

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर जिले के नोखा क्षेत्र में बुधवार को दिनदहाड़े बैंक कैश वैन से बड़ी लूट की वारदात सामने आई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पांचू थाना क्षेत्र के साधुना गांव के पास कैंपर गाड़ी में सवार चार हथियारबंद बदमाशों ने कैश वैन को रुकवाकर 50 लाख रुपये से अधिक की नगदी से भरा कैश बॉक्स लूट लिया और फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही पुलिस ने नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं तथा आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली जा रही है। पुलिस लूट की पूरी घटना के संबंध में कैश वैन कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है। इस वारदात ने बैंक कैश वैन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। घटना के बाद पुलिस ने जिलेभर में हाई अलर्ट जारी करते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों पर सघन नाकाबंदी शुरू कर दी है।

जर्जर विद्यालयों के मामले में कलेक्टर संधू ने एडीपीसी डॉ. कल्पना शर्मा को थमाया कारण बताओ नोटिस

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक (समग्र शिक्षा) डॉ. कल्पना शर्मा को चिन्हित जर्जर विद्यालय भवनों को ध्वस्त करने तथा मरम्मत कार्यों में कथित शिथिलता, घोर लापरवाही एवं उदासीनता के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिवस में जवाब तलब किया है। जारी नोटिस के अनुसार, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 8 जुलाई 2026 को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जर्जर विद्यालय भवनों को ध्वस्त करने, उनकी मरम्मत तथा नए एवं अतिरिक्त कक्षा-कक्षों के निर्माण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि भीलवाड़ा में जिला स्तरीय समिति द्वारा कुल 116 जर्जर विद्यालय भवन चिन्हित किए गए थे। इनमें 99 प्रारंभिक शिक्षा एवं 17 माध्यमिक शिक्षा के विद्यालय शामिल हैं।

प्रदेश में 2,101 करोड़ रुपये की लागत से 3,232 सड़कों का होगा निर्माण, बालोतरा के तीन विधानसभा क्षेत्रों में 54 सड़कें स्वीकृत

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रदेश में सड़क संपर्क को मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा निर्णय लेते हुए वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा के तहत 2,101.16 करोड़ रुपये की लागत से 3,232 मिसिंग लिंक एवं नॉन-पेचेबल सड़कों के निर्माण को मंजूरी दी है। इन कार्यों के तहत प्रदेश के 187 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 6,418.43 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण कराया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि प्रदेश के हर गांव, कस्बे और शहर को गुणवत्तापूर्ण सड़क नेटवर्क से जोड़ना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विकास की गति तेज होगी। उन्होंने कहा कि नॉन-पेचेबल एवं मिसिंग लिंक सड़कों के 3,232 विकास कार्यों के लिए 2,101.16 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदेश में सड़क संपर्क को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र तक गुणवत्तापूर्ण सड़क नेटवर्क पहुंचे और विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो।

सेवली में 1 लाख लीटर क्षमता की पानी की टंकी का शिलान्यास : विधायक बोले- क्षेत्र में विकास कार्यों की नहीं आने देंगे कमी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। (विनोद धायल)खंडेला क्षेत्र के ग्राम सेवली में बुधवार को 1 लाख लीटर क्षमता की उच्च जलाशय (पानी की टंकी) के निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक सुभाष मील के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक का माला और साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया तथा क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में इस पहल के लिए आभार जताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सुभाष मील ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, सड़क और आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद और विश्वास के बल पर विकास की गति को और तेज किया जाएगा। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार युवाओं, किसानों, महिलाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग के हित में काम कर रही है। विधायक ने कहा कि वर्षों से लंबित यमुना जल समझौता भाजपा सरकार के कार्यकाल में संभव हुआ, जो शेखावाटी क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। इस समझौते से भविष्य में क्षेत्र की पेयजल समस्या के समाधान का रास्ता मजबूत होगा। इस दौरान अधिशासी अभियंता आशीष चाहर, सहायक अभियंता मनीष पांडे, जेईएन कमलेश कुमावत, पूर्व सरपंच प्रतुराम, ताराचंद गुर्जर, मोहन फौजी, छितरमल गुर्जर, मोहन कुमावत, जेपी वर्मा, मूलचंद सराधना, शंकरलाल वर्मा, किशनलाल गुर्जर, मदनलाल जांगिड़, छितरमल सैनी, धीरज कौशिक, महेश सबल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन में समर्पित और साधारण कार्यकर्ताओं को भी आगे बढ़ने का अवसर दिया जाएगा।

बिना सुरक्षा प्रमाण पत्र के राज्य में किसी भी विद्यालय भवन का उपयोग नहीं करने निर्देश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। उच्च न्यायालय जयपुर के निर्देशों के बाद भी प्रदेश के सभी राजकीय विद्यालय भवनों की सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट अब तक प्राप्त नहीं होने पर शिक्षा विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। अतिरिक्त निदेशक (शैक्षिक) प्रारंभिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले के समस्त विद्यालय भवनों की सार्वजनिक निर्माण विभाग से सुरक्षा ऑडिट कराकर 10 दिनों में रिपोर्ट राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा और आयुक्त राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर को भेजी जाए। निर्देशों में स्पष्ट कहा गया है कि बिना सुरक्षा प्रमाण-पत्र वाले किसी भी राजकीय विद्यालय भवन का उपयोग नहीं किया जाएगा। जिन भवनों को असुरक्षित मानकर विद्यार्थियों को अन्य भवनों में शिफ्ट किया गया है, उनकी भी सुरक्षा जांच अनिवार्य रूप से कराई जाएगी।

खाटूश्यामजी में उपजिला अस्पताल निर्माण की मांग तेजः आक्रोशित ग्रामीणों ने बुलडोजर से खाई खोदकर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

खाटूश्यामजी में उपजिला अस्पताल के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द शुरू करने की मांग को लेकर स्थानीय निवासियों का धरना प्रदर्शन लगातार जारी है। इसी बीच, धरना स्थल पर हुई एक संदिग्ध गतिविधि के बाद ग्रामीणों का आक्रोश चरम पर पहुंच गया, जिसके विरोध में उन्होंने एक कड़ा कदम उठाया है। मिली जानकारी के अनुसार, धरना प्रदर्शन के दौरान ही प्रस्तावित और निर्माणाधीन अस्पताल परिसर की सीमा से एक पिकअप गाड़ी बिना किसी पूर्व सूचना व अनुमति के सीमेंट के कट्टे भरकर ले जाने लगी। इस घटना को देखकर धरने पर बैठे लोगों में भारी नाराजगी और आक्रोश फैल गया। निर्माण सामग्री की सुरक्षा को लेकर आशंकित ग्रामीणों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अस्पताल क्षेत्र की सीमा को बुलडोजर की मदद से खाई खोदकर पूरी तरह बंद कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक इस मामले में संतोषजनक कार्रवाई नहीं होती, तब तक सीमा बंद रहेगी ताकि वहां पड़ी सरकारी और निर्माण सामग्री को चोरी होने से बचाया जा सके। इस धरना और विरोध प्रदर्शन के दौरान राज्यपाल द्वारा 'शेखावाटी भूषण' से अलंकृत मोतीपालक किसान विनोद भारती भी मौके पर पहुंचे। प्रशासन और सरकार को श्याम बाबा सद्बुद्धि दे इसके लिए आज गुरुवार को 12 बजे सद्बुद्धि यज्ञ किया जाएगा। जिसमें भारी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने सरकार और स्थानीय प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए मांग की कि अस्पताल का निर्माण कार्य बिना किसी देरी के तुरंत शुरू किया जाए। खाटू श्याम जी व्यापार मंडल के अध्यक्ष सोनू जोशी ने परिसर में खुले में पड़ी लाखों रुपये की निर्माण सामग्री की उचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए पुरजोर तरीके से विरोध किया और अतिशीघ्र पुनः निर्माण कार्य शुरू करने कि बात कही। खाटू श्याम नगर के साथ नारी शक्ति के क्षेत्र कि सभी ग्राम पंचायतो के ग्रामीण भी सैंकड़ों कि भारी संख्या में धरना में शामिल हुये। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्दी प्रशासन अस्पताल का काम शुरू नहीं करवाया आक्रोशित जनता द्वारा आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना, लखपति दीदी और वीबी-जीरामजी के तहत राजस्थान में हुए कार्यों की सराहना की

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को लोकभवन में ग्रामीण विकास विभाग से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने गाँवों के प्रभावी विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, लखपति दीदी और वीबी-जीरामजीके तहत राजस्थान में हुए कार्यों के प्रस्तुतीकरण को देखकर इनके तहत हो रही उपलब्धियों की विशेष रूप से सराहना की। राज्यपाल ने गांवों में हस्तकलाओं, कौशल विकास से जुड़े कार्यों के प्रशिक्षण के लिए समुचित व्यवस्था किए जाने का भी आह्वान किया। राज्यपाल ने लखपति दीदी योजना, हर घर नल, सभी गांवों में शतप्रतिशत शौचालय के अंतर्गत हुए कार्यों की भी बैठक में विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने जीरामजी के अंतर्गत लोगों को काम देने और इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग किए जाने पर भी जोर दिया। राज्यपाल बागडे ने मानसून में अधिक से अधिक पौधारोपण किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाएं ही नहीं, यह भी सुनिश्चित करें कि वे लगने के बाद जिंदा रहे। उन्होंने राजसमंद के पिपलांत्री गांव का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह से वहां पौधे लगाए गए हैं और उनका संरक्षण किया गया है, उसी तरह दूसरे गांवों में भी वृक्षारोपण के लिए कार्य किया जाए। उन्होंने गांवों में पीने के पानी की प्रभावी व्यवस्था करने पर भी जोर दिया। समीक्षा बैठक में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अधिकारियों से विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम छोर पर बैठे पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों को मजबूत बनाने, ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने तथा स्थानीय संसाधनों पर आधारित रोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष बल दिया।

जयपुर डेयरी ने दूध का खरीद मूल्य बढ़ाया

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जयपुर। जयपुर डेयरी ने दूध का खरीद मूल्य बुधवार को बढ़ाते हुए दुग्ध उत्पादकों को राहत दी है। डेयरी प्रशासन इसे 11 अगस्त से लागू करेगा। डेयरी प्रशासन ने खरीद मूल्य में 50 रुपए प्रति किलोग्राम फैट की बढ़ोतरी की है। इससे पहले जयपुर डेयरी ने इसी साल मई में खरीद मूल्य बढ़ाया था। जयपुर डेयरी के चेयरमैन ओम पूनिया ने बताया- अभी कम बारिश होने से किसान फसलों की इतनी बुवाई नहीं कर सके, जितनी होनी चाहिए थी। साथ ही बाजार में अब चारा 1200 से 1300 रुपए क्विंटल तक पहुंच गया है। चारे की बढ़ती कीमतों और मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए डेयरी प्रशासन ने दूध के खरीद मूल्य को 50 रुपए प्रति किलोग्राम फैट की दर से बढ़ाने का फैसला किया है। 50 रुपए प्रति किलोग्राम फैट की दर बढ़ाने का असर करीब 3 रुपए प्रति लीटर पर पड़ेगा। यानी दुग्ध उत्पादकों को 3 रुपए तक ज्यादा मूल्य दूध बेचने पर मिलेगा।

ये अंतर अलग-अलग फैट लेवल मिलने पर अलग-अलग होगा। उन्होंने बताया- वर्तमान में डेयरी 875 रुपए प्रति किलोग्राम फैट की दर से खरीद कर रही है। इसे बढ़ाकर अब 925 रुपए कर दिया गया है। इसके अलावा 7 रुपए लीटर का अतिरिक्त भुगतान भी किया जाता है। जयपुर डेयरी के इस निर्णय से हजारों दुग्ध उत्पादकों, विशेषकर छोटे और सीमांत पशुपालकों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा

मनोरंजन समाचार

लुक्स कमेंट पर शिवांगी ने कहा- लोग मेरे चेहरे और मेकअप का मजाक उड़ाते हैं तो बहुत बुरा लगता है

मुहासे और स्किन संबंधी समस्या आत्मविश्वास को भी कम कर देते हैं। ये समस्या आम लोगों के साथ-साथ सेलेब्रिटीज को भी परेशान करती है। एक समय था, जब अभिनेत्री शिवांगी जोशी को इन दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। वेब रियलिटी शो 'लॉकअप-2' में शिवांगी ने स्किन की दिक्कतों से जूझने के बारे में खुलकर बात की। दरअसल, कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने शिवांगी जोशी को ऐनाबेला कहा था, जिसे लेकर अभिनेत्री ने राम कपूर के साथ बातचीत की। एक्ट्रेस ने कहा कि वह समझती हैं कि लुक्स से जुड़े कमेंट्स किसी इंसान पर कितना गहरा असर डाल सकते हैं। शिवांगी ने बातचीत में कहा कि जब श्रेया उन्हें बार-बार एनाबेला बोलती है, तो उन्हें बुरा लगता है। शिवांगी ने बताया कि जब श्रेया के चेहरे पर एलर्जी हो गई थी, तो उन्होंने श्रेया का साथ दिया था। उन्होंने कहा, "जब श्रेया के चेहरे पर एलर्जी हो गई थी, तो मैंने पूरी कोशिश की थी कि वे सहज महसूस करें, क्योंकि मैं अच्छे से जानती हूं कि हर कोई कितना असुरक्षित महसूस कर सकता है... मुझे तो जिंदगी भर मुहांसे और स्किन की प्रॉब्लम रही है। मैं जानती हूं कि इन सब चीजों को लेकर मैं कितनी असुरक्षित महसूस करती थी।" अभिनेत्री ने कहा, "जो चेहरे को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं, मैं उनकी परेशानी को अच्छी तरह से समझ सकती हूं। फिर लोग मेरे चेहरे और मेकअप का मजाक उड़ाते हैं। ये सुनकर बहुत बुरा लगता है।"

अभिषेक संग मुंबई लौटीं ऐश्वर्या-आराध्या, एयरपोर्ट स्टाफ को हाथ जोड़कर कहा 'नमस्ते'

अमेरिका की यात्रा से मुंबई लौटने पर एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन और उनकी बेटी आराध्या बच्चन ने अपने व्यवहार से सबका दिल जीत लिया। मंगलवार रात मुंबई एयरपोर्ट पर अभिषेक बच्चन के साथ मां-बेटी की जोड़ी को देखा गया। जब वे टर्मिनल से बाहर निकले, तो ऐश्वर्या और आराध्या ने हाथ जोड़कर और सम्मानपूर्वक "नमस्ते" कहकर एयरपोर्ट स्टाफ का अभिवादन किया। उनके आगे चल रहे अभिषेक को बाहर निकलने से पहले एक स्टाफ मेंबर से गर्मजोशी से हाथ मिलाते हुए देखा गया। यात्रा के लिए, ऐश्वर्या ने काले रंग के कपड़े चुने, जिसमें एक लंबी काली ड्रेस के ऊपर मैचिंग काला ओवरकोट पहना था। आराध्या ने अपने एयरपोर्ट लुक को कैजुअल रखा।

उन्होंने काले टॉप के साथ डार्क ट्राउजर और ओवरसाइज्ड ब्लैक लेदर जैकेट पहनी थी। वहीं, अभिषेक ने आरामदायक ट्रैवल आउटफिट चुना, जिसमें हल्के पीले रंग की हुडी के ऊपर ऑलिव-ग्रीन प्रिंटेड जैकेट और डेनिम जींस पहनी थी। ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की बात करें तो, इस जोड़े ने 20 अप्रैल 2007 को मुंबई में बच्चन परिवार के घर पर एक निजी लेकिन सितारों से सजे समारोह में शादी की थी। इस जोड़े के घर 16 नवंबर 2011 को बेटी आराध्या बच्चन का जन्म हुआ। अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की लव स्टोरी की बात करें तो, वे पहली बार 2001 में 'ढाई अक्षर प्रेम के' में काम करते समय मिले थे और बाद में 'कुछ ना कहो', 'उमराव जान', 'गुरु', 'धूम 2' और 'रावण' जैसी फिल्मों में साथ काम किया। 'बंटी और बबली' फिल्म में, जिसमें अभिषेक ने मुख्य भूमिका निभाई थी, ऐश्वर्या ने 'कजरा रे' गाने में एक स्पेशल अपीयरेंस दिया था। वे सालों तक दोस्त रहे और उनका रिश्ता 'उमराव जान' के बनने के दौरान आगे बढ़ा और 'गुरु' की शूटिंग के समय और भी मजबूत हुआ। बाद में एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वे उन्हें होटल की उस बालकनी में ले गए थे जहां उन्होंने अक्सर उनके साथ जिंदगी बिताने की कल्पना की थी और उनसे शादी के लिए पूछा था।

'लॉक अप 2' की बॉस बनीं श्रेया कालरा, शिवांगी और योगेश को पछाड़ उठाई ट्रॉफी, जीता 1 करोड़ का इनाम

40 दिनों तक चले जबरदस्त क्लेश, अटूट दोस्ती, दिल टूटने के लम्हों, धोखे, कठिन टास्क और नाटकीय एलिमिनेशन के बाद आखिरकार रियलिटी शो 'लॉक अप 2' अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया। 27 जून को 15 प्रतियोगियों के साथ शुरू हुए इस शो में बाद में दो वाइल्ड कार्ड एंट्रियां भी शामिल हुईं। इस लंबे और कठिन सफर के बाद अब फैंस की निगाहें आज रात होने वाले ग्रैंड फिनाले पर टिकी थी, जिसका परिणाम आज आ गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहे इस शो के फिनाले में केवल पांच फाइनलिस्ट श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, शिल्पा शिंदे, योगेश रावत और राम कपूर बचे थे, जिसमें से श्रेया कालरा ने बाजी मार ली है।

'रामायण' की रिलीज डेट का ऐलान, बड़े पर्दे पर राम-रावण की महागाथा देखने को हो जाइए तैयार

'रामायण' 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है, जो दो भाग में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका ट्रेलर 30 जुलाई 2026 को सुबह 4:15 बजे रिलीज हुआ था, जिसके बाद से फैंस के बीच जबरदस्त बज बना हुआ है। रणबीर कपूर और यश स्टारर इस फिल्म को लेकर हर नई चीज के साथ लोगों का उत्साह और बढ़ता जा रहा है। अब मेकर्स ने इंटरनेशनल दर्शकों के लिए इस शानदार कहानी का इंग्लिश-डब ट्रेलर शेयर कर दिया है। इसके साथ ही मेकर्स ने 'रामायणः पार्ट 1' की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है, जो दिवाली 2026 से दो दिन पहले बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। 'रामायण' के इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर सोनी पिक्चर्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इंग्लिश ट्रेलर और इसकी रिलीज डेट शेयर की है। मेकर्स ने 'रामायण पार्ट 1' को 6 नवंबर 2026 को रिलीज करने का फैसला किया है। यह तारीख लक्ष्मी पूजा दिवाली से दो दिन पहले है। इसकी घोषणा करते हुए सोनी पिक्चर्स ने लिखा, 'एक ऐसी शानदार यात्रा जैसी पहले कभी नहीं देखी गई। #Ramayana

का ऑफिशियल ट्रेलर देखें, जो 6 नवंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आ रही है।' हालांकि 'रामायण' के ट्रेलर में भगवान हनुमान की झलक नहीं दिखाई है। 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम की मुख्य भूमिका में हैं, जबकि यश ने रावण की भूमिका निभाई है। साई पल्लवी माता सीता की भूमिका निभा रही हैं। वहीं सनी देओल भगवान हनुमान की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में दिखाई देने वाले हैं। सोशल मीडिया पर इस फिल्म को लेकर लंबे समय से जबरदस्त बज बना हुआ है, जिसके दोनों भाग 4000 करोड़ में बने हैं। फिल्म में कई कलाकार अहम भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं। कई बार टलने के बाद 'रामायण' का ट्रेलर 30 जुलाई को रिलीज हुआ, जो सभी को बहुत पसंद आया। भारत में ही नहीं पाकिस्तान में भी लोग इस फिल्म के ट्रेलर पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। यूट्यूबर माविया उमर फारूकी के बाद हसनाट खान ने भी ट्रेलर की तारीफ की और बोलें - 'रावण जबरदस्त लग रहा है यार। क्या कमाल का ट्रेलर है। उन्होंने एनिमेशन, CGI और स्टंट्स पर बहुत अच्छा काम किया है। सारे विजुअल्स बहुत अच्छे हैं।' इंग्लिश-डब ट्रेलर जारी होने के बाद फिल्म को लेकर अंतरराष्ट्रीय दर्शकों में भी उत्सुकता और बढ़ गई है।

मेकर्स का मानना है कि भारतीय महाकाव्य रामायण की कहानी को वैश्विक स्तर पर अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचाने के लिए बहुभाषी रिलीज अहम भूमिका निभाएगी। इसी रणनीति के तहत फिल्म को कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी बड़े पैमाने पर रिलीज किया जाएगा।

फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है, जबकि इसका निर्माण भव्य स्तर पर अत्याधुनिक विजुअल इफेक्ट्स और हाई-एंड वीएफएक्स तकनीक के साथ किया गया है। ट्रेलर में विशाल युद्ध दृश्य, भव्य सेट, दमदार बैकग्राउंड स्कोर और सिनेमाई प्रस्तुति ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों ने इसे भारतीय सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक बताया है।

काजोल बर्थडे स्पेशलः डीडीएलजे की सिमरन जैसी नहीं थी काजोल की असली लव स्टोरी, खुद बताई रिश्ते की कहानी

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल का नाम आते ही सबसे पहले फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (डीडीएलजे) की सिमरन याद आती है, जो प्यार के लिए परिवार और समाज के बीच अपनी जगह बनाती है। पर्दे पर उनकी यह प्रेम कहानी जितनी खूबसूरत दिखी, असल जिंदगी में काजोल की लव स्टोरी उतनी ही अलग थी। खुद काजोल ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी और अजय देवगन की कहानी कहीं से भी फिल्मी रोमांस जैसी नहीं थी, बल्कि दोस्ती और समझ के साथ धीरे-धीरे आगे बढ़ी। आज काजोल अपने अभिनय, बेबाक अंदाज और शानदार करियर के लिए जानी जाती हैं। काजोल का जन्म 5 अगस्त 1974 को मुंबई में हुआ था। वह एक ऐसे परिवार से आती हैं, जिसका रिश्ता फिल्म इंडस्ट्री से रहा है। उनकी मां तनुजा हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री थीं, जबकि उनके पिता शोमू मुखर्जी फिल्म निर्माता थे। बचपन से ही उनके आसपास फिल्मों का माहौल था, लेकिन काजोल ने कभी नहीं सोचा था कि वह इतनी बड़ी अभिनेत्री बनेंगी। काजोल ने साल 1992 में फिल्म 'बेखुदी' से बॉलीवुड में कदम रखा। हालांकि उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास सफल नहीं रही, लेकिन उनके अभिनय को नोटिस किया गया। इसके बाद साल 1993 में आई फिल्म 'बाजीगर' ने उनकी किस्मत बदल दी। शाहरुख खान के साथ इस फिल्म में उनकी जोड़ी को दर्शकों ने पसंद किया और काजोल रातोंरात स्टार बन गईं। इसके बाद काजोल ने एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया। साल 1995 में आई फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' ने उन्हें हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। सिमरन के किरदार ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई। इसके बाद 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'हलचल', 'फना', 'माय नेम इज खान', 'इश्क', 'करण अर्जुन', 'प्यार किया तो डरना क्या', 'हम आपके दिल में रहते हैं', 'यू मी और हम', 'दिल क्या करें', 'हमेशा' और 'सलाम वेंकी' समेत कई फिल्मों में काम किया। काजोल और अजय देवगन की प्रेम कहानी भी काफी अलग रही। काजोल ने एक इंटरव्यू में बताया था, ''जब मैं अजय से पहली बार मिली, तब ऐसा कोई फिल्मी पल नहीं हुआ था कि हम दोनों को पहली नजर में प्यार हो गया हो। हमारी मुलाकात फिल्म 'हलचल' के सेट पर हुई थी, उस समय हम दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में किसी और को डेट कर रहे थे। शुरुआत में हमारा स्वभाव भी काफी अलग था। मैं बेहद बातूनी थी और अजय शांत रहने वाले इंसान थे।'' काजोल ने बताया, ''अजय से मेरी दोस्ती धीरे-धीरे बढ़ी और यही दोस्ती बाद में प्यार में बदल गई। मेरी जिंदगी फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' की सिमरन जैसी नहीं थी, जहां प्यार के लिए बड़े-बड़े फिल्मी मोड़ आते हैं। मेरा रिश्ता समय के साथ मजबूत हुआ और हम दोनों ने एक-दूसरे को समझते हुए शादी का फैसला किया।'' 24 फरवरी 1999 को काजोल और अजय देवगन ने शादी कर ली। शादी के बाद काजोल ने परिवार के साथ अपने करियर को भी संभाला। वह दो बच्चों की मां हैं और अक्सर अपने परिवार के साथ समय बिताती नजर आती हैं। काजोल को उनके शानदार अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले हैं। उन्हें छह फिल्म फेयर पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। साल 2011 में भारत सरकार ने उन्हें देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया। साल 1997 की फिल्म 'गुप्त' में उनके नकारात्मक किरदार को भी काफी सराहा गया और इसके लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। काजोल ने अपने तीन दशक से अधिक लंबे फिल्मी सफर में यह साबित किया है कि वह हर तरह के किरदार को सहजता और प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर निभाने की क्षमता रखती हैं। रोमांटिक फिल्मों से लेकर गंभीर और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं तक, उन्होंने हर शैली में अपनी अलग पहचान बनाई। उनकी स्वाभाविक अभिनय शैली, दमदार संवाद अदायगी और भावनात्मक अभिव्यक्ति ने उन्हें हिंदी सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में शामिल किया है। शाहरुख खान के साथ उनकी जोड़ी भारतीय सिनेमा की सबसे लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में गिनी जाती है। दोनों ने 'बाजीगर', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'करण अर्जुन', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'माय नेम इज खान' और 'दिलवाले' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया। इन फिल्मों ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी खास जगह बनाई। वहीं निजी जीवन में काजोल और अजय देवगन को बॉलीवुड के स ब से

मजबूत और सफल दंपतियों में माना जाता है। दोनों ने हमेशा अपने रिश्ते को निजी रखा और परिवार को प्राथमिकता दी। काजोल कई इंटरव्यू में कह चुकी हैं कि उनके और अजय के रिश्ते की सबसे बड़ी ताकत एक-दूसरे के प्रति सम्मान, भरोसा और समझ है।

'खतरनाक स्टंट करने की हिम्मत देते हैं', फरहाना भट्ट ने रोहित शेट्टी को बताया मजबूत सपोर्ट

स्टंट आधारित शो 'खतरों के खिलाड़ी' में कंटेस्टेंट्स को शारीरिक ताकत के साथ-साथ मानसिक मजबूती भी दिखानी पड़ती है। ऐसे में होस्ट की भूमिका काफी अहम हो जाती है, क्योंकि उनका हौसला बढ़ाना कई बार कंटेस्टेंट्स को अपने डर पर जीत हासिल करने में मदद करता है। इस कड़ी में अभिनेत्री फरहाना भट्ट ने शो के होस्ट और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोहित खिलाड़ियों में ऐसा आत्मविश्वास भर देते हैं कि वे उन स्टंट को भी करने के लिए तैयार हो जाते हैं, जिनसे वे शुरुआत में डर रहे होते हैं। 'बिग बॉस 19' में नजर आ चुकीं फरहाना भट्ट ने आईएएनएस से खास बातचीत में रोहित शेट्टी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ''रोहित एक शानदार होस्ट हैं और उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह कंटेस्टेंट्स को लगातार प्रेरित करते रहते हैं। कई बार ऐसा होता है कि कोई स्टंट देखकर आपको डर लगने लगता है और आपको लगता है कि शायद आप उसे नहीं कर पाएंगे। लेकिन अगर उसी समय रोहित शेट्टी आपके पास खड़े हों और आपका साथ दे रहे हों, तो आपको अलग ही हिम्मत मिलती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''रोहित के सपोर्ट के साथ कोई भी कंटेस्टेंट मौत के कुएं जैसे डरावने स्टंट में भी उतरने का साहस जुटा सकता है।'' 'खतरों के खिलाड़ी 15' का टेलीकास्ट कलर्स टीवी पर होता है।

कभी सुपरस्टार सूर्या से 3 गुना ज्यादा कमाती थीं पत्नी ज्योतिका, अब 30 गुना कम हुई कमाई

दक्षिण भारतीय सिनेमा और बॉलीवुड की मशहूर और पसंदीदा जोड़ियों में शुमार ज्योतिका और सूर्या अक्सर अपने मजबूत रिश्ते और एक-दूसरे के प्रति सम्मान को लेकर चर्चा में रहते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान ज्योतिका ने अपने शुरुआती दिनों की यादें ताजा करते हुए एक बेहद दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने हंसी-मजाक के लहजे में बताया कि करियर के शुरुआती दौर में वह अपने पति सूर्या से तीन गुना ज्यादा फीस लेती थीं, लेकिन वक्त के साथ यह समीकरण पूरी तरह बदल गया है और आज सूर्या की कमाई उनसे काफी ज्यादा है। 'द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया' को दिए एक इंटरव्यू में अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ पर बात करते हुए ज्योतिका ने कहा कि जब उन दोनों ने एक साथ काम करना शुरू किया था, तब वह तमिल सिनेमा की स्थापित अभिनेत्रियों में से एक थीं। उस समय उन्हें सूर्या की तुलना में तीन गुना अधिक फीस मिलती थी। हालांकि, समय के साथ सूर्या का करियर ग्राफ तेजी से ऊपर गया। ज्योतिका ने हंसते हुए मजाक में कहा कि आज के समय में उनकी सैलरी सूर्या की तुलना में 30 गुना कम है। उनकी इस बात पर सूर्या भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। यह मजेदार बातचीत दोनों के शुरुआती करियर के दिनों को याद करते हुए हुई। साल 2003 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'काखा काखा' के समय ज्योतिका तमिल इंडस्ट्री की टॉप स्टार्स में गिनी जाती थीं, जबकि सूर्या उस वक्त एक मुख्य अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। ज्योतिका ने बताया कि उन्होंने ही निर्देशक गौतम वासुदेव मेनन को इस फिल्म के लिए सूर्या का नाम सुझाया था। 'काखा काखा' सूर्या के करियर के लिए एक बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हुई और

इस फिल्म ने उन्हें इंडस्ट्री में एक सफल सोलो हीरो के रूप में स्थापित कर दिया। इसी बातचीत के दौरान ज्योतिका ने सूर्या की तारीफों के पुल बांधते हुए उन्हें 'ग्रीन फ्लैग' (एक बेहतरीन और समझदार जीवनसाथी) करार दिया। उन्होंने कहा कि एक इंसान, पति और अभिनेता के तौर पर सूर्या का रवैया कमाल का है। वे अपने रिश्ते में पूरी बराबरी और सम्मान लाते हैं।

थिंक राजस्थान

सार समाचार

भारत के प्रस्तावित FCRA संशोधन विधेयक पर अमेरिकी प्रतिनिधि ने जताई आपत्ति

वाशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिका के एक प्रतिनिधि ने भारतीय संसद में पेश होने वाले विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक-2026 पर आपत्ति जताई है। रिपब्लिकन प्रतिनिधि राइली एम. मूर ने कहा कि यह विधेयक ईसाई समुदाय पर सीधा हमला है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इसे पारित किया गया तो यह मुद्दा भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में बड़ी चिंता का विषय बन सकता है। राइली मूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "भारत में ईसाई तब से हैं, जब हमारे ईसा मसीह के पुनरुत्थान के कुछ ही दशकों बाद सेंट थॉमस द एपोसल मालाबार तट पर आए थे। लेकिन ईसाइयों के इतने लंबे इतिहास के बावजूद भारत की संसद 'विदेशी अंशदान (विनियमन)' (एफसीआरए) नियमों में बदलाव करने पर विचार कर रही है, ताकि सरकार चर्चों और धार्मिक चैरिटी संस्थाओं का नियंत्रण अपने हाथ में ले सके।" उन्होंने आगे लिखा कि यह ईसाई समुदाय पर सीधा हमला है। अगर यह विधेयक इसी रूप में पारित होता है, तो यह भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में चिंता का बड़ा कारण बन सकता है। 'कैथोलिक एरीना' ने भी भारत सरकार के प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन विधेयक पर प्रतिक्रिया दी। कैथोलिक एरीना ने इस मुद्दे पर राइली मूर को धन्यवाद देते हुए पोस्ट किया, "इस मुद्दे पर 'कम्युनिटी नोट' जोड़ने की कोशिश और लोगों को गुमराह करने वाले कमेंट्स पर ध्यान दें। भारत में ईसाई दुनिया में सबसे अधिक वंचित समुदायों में से एक हैं। ईयू और अन्य लोगों को ट्रेड डील करने के बजाय इस मुद्दे पर आवाज उठानी चाहिए।" बता दें कि भारत सरकार मानसून सत्र के दौरान एफसीआरए संशोधन विधेयक-2026 संसद से पारित कराने की तैयारी में है।

पाकिस्तान में गृह मंत्री मोहसिन नकवी के बयान से सत्ता गठबंधन में हलचल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी के हालिया बयान ने देश की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। नकवी ने मौजूदा शासन व्यवस्था को "पूरी तरह विफल" बताते हुए कहा कि इस सिस्टम के जरिए देश की समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। उनके इस बयान के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर भी असहजता बढ़ गई है। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन में प्रकाशित वरिष्ठ पत्रकार जाहिद हुसैन के लेख के मुताबिक, नकवी का बयान ऐसे समय आया है जब उन्हें खुद उसी व्यवस्था का हिस्सा माना जाता है, जिसकी वैधता पर अब वे सवाल उठा रहे हैं। लेख में कहा गया है कि सत्ता प्रतिष्ठान से उनके करीबी संबंधों को देखते हुए उनके बयान को महज निजी राय नहीं माना जा सकता।

गाजा में शांति की ट्रंप की कोशिशों को झटका! नेतन्याहू बोले- हमास के हथियार डाले बिना नहीं हटाएंगे सेना

गाजा में जारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिशों को झटका लगा है। दरअसल, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कह दिया है कि इजरायल, गाजा में अपनी मौजूदा जगहों से तब तक पीछे नहीं हटने वाला है जब तक हमास पूरी तरह से हथियार नहीं डाल देता। इसके बाद, नेतन्याहू ने डोनाल्ड ट्रंप के हालिया ऐलान पर भी अपनी असहमति जताई। नेतन्याहू के हाल के बयानों से हमास के हथियार छोड़ने वाली डील पर और संदेह पैदा हो गया है, जिसे जंग खत्म करने की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा था। इसके साथ ही, इससे अमेरिकी प्रशासन के साथ नेतन्याहू के मतभेद भी खुलकर सामने आ गए हैं। इस डील के तहत हमास के हथियार छोड़ने का प्रोसेस शुरू होना था और इजरायल को हमले रोककर गाजा के उस 60 प्रतिशत भाग से पीछे हटना शुरू करना था, जिसके ऊपर अभी वो काबिज है। यह डील अक्टूबर में हुई उस सीजफायर डील पर आधारित था, जिसने बड़े मिलिट्री ऑपरेशंस को खत्म किया और गाजा में किडनैप किए गए बाकी लोगों की रिहाई सुनिश्चित की, लेकिन अन्य मोर्चों पर यह डील आगे नहीं बढ़ पाई। बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि हमास के हथियार छोड़ने का काम सबसे पहले हो जाना चाहिए। इजरायली फौज अपने इलाके और अपने नागरिकों की सिक्योरिटी के लिए जो भी जरूरी होगा, वह करती रहेगी। इससे पहले हाल ही में इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता डोरोन स्पीलमैन ने कहा था कि हमारा आकलन है कि अगर हमास के पूरी तरह से हथियार डालने से पहले ही हम अपनी आर्मी गाजा से हटा लेते हैं, तो वह जल्द ही पूरे गाजा में अपनी मौजूदगी को बढ़ा लेगा।

शेख हसीना की मीडिया से बातचीत पर भड़का बांग्लादेश, भारत के साथ रिश्ते सुधारने पर भी बयान दिया

शेख हसीना की डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद बांग्लादेश भड़का हुआ है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में अपनी नाराजगी जाहिर की है और कहा है कि इससे भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध बेहतर करने की कोशिशों पर असर पड़ेगा। हालांकि, भारत पहले ही साफ कर चुका है कि मीडिया से बातचीत का कार्यक्रम एक निजी चैनल ने आयोजित कराया।

इसमें भारत सरकार का कोई योगदान नहीं है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मीडिया के साथ वर्चुअल बातचीत पर नाराजगी जताते हुए एक्स पर लिखा, "बांग्लादेश इस बात से नाराज है कि नरसंहार की दोषी और फरार शेख हसीना को आज शाम नई दिल्ली में मीडिया से लाइव बातचीत करने की इजाजत दी गई, जहां उन्होंने और उनके साथियों ने बांग्लादेश और वहां के लोगों के खिलाफ जहरीली बातें कहीं। ढाका को इस बात का गहरा अफसोस है कि भारत सरकार को पहले ही यह बता दिया गया था कि इस कार्यक्रम से हमारे द्विपक्षीय संबंधों को फिर से बेहतर बनाने की कोशिशों पर क्या असर पड़ सकता है, फिर भी इस सार्वजनिक कार्यक्रम को आयोजित करने की इजाजत दी गई।"

शेख हसीना पांच अगस्त, 2024 को ढाका छोड़कर भारत आई थीं। इसके बाद से वह यहीं रह रही हैं। उन्होंने वर्चुअल संबोधन में कहा कि वह बांग्लादेश जरूर जाएंगी। उन्हें मौत या जेल जाने का डर नहीं है। हसीना ने कहा, ''मुझे पता है, वे मुझे जेल में डाल सकते हैं या मेरी जान ले सकते हैं।

मैं अपने लोगों के साथ रहने के लिए घर वापस जाऊंगी।''

अवामी लीग की नेता हसीना ने भारत की सराहना करते हुए कहा कि वह हमेशा बांग्लादेश के साथ खड़ा रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत हमेशा से बांग्लादेश का घनिष्ठ मित्र रहा है।'' बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा, ''बांग्लादेश भारत के साथ ऐसे संबंध बनाए रखना चाहता है जो रचनात्मक हों, दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद हों और भविष्य की ओर देखने वाले हों।"

'बांग्लादेश, भारत के लिए एक और पाकिस्तान बन गया है', शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने दी चेतावनी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बुधवार को बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने अपने संबोधन में इशारा किया है कि वह दिसंबर में वापस बांग्लादेश जा सकती हैं। शेख हसीना बांग्लादेश के वर्तमान हालात पर चिंता भी जताई है। दूसरी ओर शेख हसीना के बेटे साजीब वाजेद जॉय मे भी बुधवार को दिल्ली में मीडिया के साथ एक वर्चुअल बातचीत की। इस दौरान साजीब वाजेद ने भारत को आगाह करते हुए बड़ी बात कह दी है। साजीब वाजेद ने कहा है कि बांग्लादेश भारत की पूर्वी सीमा पर एक और पाकिस्तान बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि अगस्त 2024 से बांग्लादेश में राजनीतिक हत्याओं को कानूनी बना दिया गया है और आज बांग्लादेश एक 'फेल्ड स्टेट' (विफल देश) बन गया है जहां कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। शेख हसीना के बेटे साजीब वाजेद ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा- "भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह होनी चाहिए कि बांग्लादेश, भारत के पूर्वी हिस्से में एक और पाकिस्तान बन गया है। आज भारत की पूर्वी सीमा पर एक और पाकिस्तान है। बांग्लादेश में विदेशी खुफिया एजेंसियों, खासकर ISI को खुली छूट मिल गई है। यहां अल-कायदा के सदस्य सार्वजनिक रैलियां कर रहे हैं और भाषण दे रहे हैं। बांग्लादेश में जो वर्तमान में हो रहा है यह भारत या पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात है। अगर इस पर अभी के अभी नहीं रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में पूरी दुनिया में आतंकवादी बांग्लादेश से ही आएंगे।" दिल्ली में मीडिया के साथ वर्चुअल बातचीत में, शेख हसीना के बेटे साजीब वाजेद ने कहा- "सभी ने बांग्लादेश में जुलाई 2024 में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के बारे में सुना होगा। इन मौतों को लेकर UN ने कहा कि मृतकों की संख्या 1400 है। हालांकि, सरकार ने कहा कि ये संख्या 800 के करीब है। ये बाकी के 600 लोग कौन हैं? UN को इनका नाम कहां से मिला? आवाम लीग और हमारे वकीलों ने इस सवाल के जवाब के लिए बार-बार UN को पत्र लिखा है। हालांकि, UN ने आज तक हमें कोई भी नाम नहीं बताया है। लेकिन इससे भी ज्यादा गौर करने वाली बात ये है कि UN ने अपने आंकड़ों में सिर्फ 15 अगस्त 2024 तक के समय को ही कवर किया है, जबकि सभी जानते हैं कि बांग्लादेश में अभी भी लोगों की मौत हो रही हैं।" साजीब वाजेद ने कहा- "बांग्लादेश में तब मोहम्मद यूनुस की सरकार ने एक अध्यादेश पारित किया जो बाद में कानून बन गया। इसे 'इंडेम्निटी बिल' कहा गया। इस बिल के तहत सभी प्रदर्शनकारियों को पूरी छूट दे दी गई। दूसरी ओर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी बुधवार को संबोधन दिया।

उत्तर कोरिया ने रूस को दी पावरफुल बैलिस्टिक मिसाइल, गुस्से से बिलबिलाया यूक्रेन, लगाया आरोप

Russia-Ukraine War में अब उत्तर कोरिया की एंट्री हो गई है। उत्तर कोरिया ने रूस को नई बैलिस्टिक मिसाइलों की आपूर्ति की है और मॉस्को के युद्ध प्रयासों को समर्थन देने के लिए एक विशेष मिसाइल इकाई भी तैनात की है। इसे लेकर जेलेंस्की ने नाराजगी जताई है और बड़ा आरोप लगाया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति का कहना है कि यह दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों में और अधिक मजबूती का संकेत है। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी (HUR) के अनुसार, इस तैनाती में लगभग 90 उत्तर कोरियाई कर्मी, छह मिसाइल लॉन्चर और 120 बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं, जिनमें 40 नई आपूर्ति की गई केएन-23 और केएन-24 मिसाइलें भी शामिल हैं। यूक्रेन ने कहा है कि अमेरिका में बनी पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों का स्टॉक कम होने से बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से बचाव की उसकी क्षमता सीमित हो रही है। यूक्रेनी सेना के अधिकारियों का कहना है कि KN-23 और KN-24 मिसाइलों की रेंज रूस की इस्कंदर मिसाइलों से ज्यादा है और उनमें ज्यादा बड़ा वॉरहेड होता है, लेकिन उनकी सटीकता काफी कम है; कई हमलों में आम नागरिकों को भारी नुकसान हुआ है। ये आरोप ऐसे समय में सामने आए हैं जब रूस यूक्रेन पर अपने मिसाइल हमले तेज कर रहा है। उत्तर कोरिया की मिसाइलों की यह तैनाती मॉस्को और प्योंगयांग के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग का एक और संकेत है, जो फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू करने के बाद से और बढ़ा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने जून 2024 में पुतिन की प्योंगयांग यात्रा के दौरान 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि' पर हस्ताक्षर किए थे।

ट्रंप का बड़ा दावा- इस हफ्ते खुल सकता है स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, ईरान-ओमान के बीच फाइनल हुआ ड्राफ्ट!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) को फिर से खोलने के लिए इस हफ्ते कोई समझौता हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि वार्ता में "काफी प्रगति" हुई है और अगले एक-दो दिनों में बड़ी घोषणा की जा सकती है। ईरान और ओमान के बीच इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को लेकर एक समझौते पर बातचीत अंतिम चरण में है। बता दें कि अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर 28 फरवरी को युद्ध शुरू किया था। इसके पीछे तेहरान की सरकार को गिराने और उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने जैसे कई मकसद थे। हालांकि, ये मकसद पूरे नहीं हुए और यह टकराव स्ट्रेट ऑफ हार्मुज पर कब्जे की लड़ाई में बदल गया। युद्ध के दौरान ईरानी हमलों के कारण यहां से गुजरने वाला समुद्री व्यापार लगभग ठप हो गया, जिससे वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित हुई और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ईंधन एवं आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी आई। अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, रोम में अमेरिका, ईरान और ओमान के बीच दूसरे दिन की वार्ता "जमीनी घटनाक्रम" के कारण समय से पहले समाप्त हुई, लेकिन बातचीत बेहद सकारात्मक रही। जरूरत पड़ने पर गुरुवार को वार्ता फिर शुरू हो सकती है। क्षेत्रीय अधिकारियों के अनुसार, ईरान और ओमान के वार्ताकारों ने जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने के लिए समझौते का मसौदा तैयार कर लिया है। अब इसे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोज्तबा खामेनेई की अंतिम मंजूरी का इंतजार है। अधिकारियों का कहना है कि यह समझौता अस्थायी व्यवस्था होगी और इसके बाद अमेरिका एवं ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम पर भी बातचीत दोबारा शुरू हो सकती है। हालांकि, अमेरिका पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह ऐसी किसी व्यवस्था का समर्थन नहीं करेगा, जिसमें ईरान हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण स्थापित करे या जहाजों से सुरक्षा शुल्क वसूले। ब्रेंट क्रूड का भाव बुधवार को करीब 80 डॉलर प्रति बैरल रहा, जो युद्ध के चरम के मुकाबले अभी भी कम है।

ब्राजील ने राजदूत के खिलाफ अमेरिकी वीजा कार्रवाई की निंदा की

रियो डी जनेरियो। अमेरिका द्वारा ब्राजील की राजदूत का वीजा रद्द करने पर ब्राजील सरकार ने कड़ी नाराजगी जताई। ब्राजील ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय के इस फैसले को गलत और आधारहीन बताया। मामला ब्राजील की वाशिंगटन में तैनात राजदूत मारिया लुइजा रिबेरो वियोटी के वीजा से जुड़ा है। अमेरिकी सरकार ने पिछले महीने ब्राजील द्वारा दो अमेरिकी अधिकारियों को वीजा न देने और ट्रंप प्रशासन के नए राजदूत की नियुक्ति में देरी करने के जवाब में यह कदम उठाया। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि जिन दो अमेरिकी अधिकारियों को वीजा देने से मना किया गया था, वे ब्राजील के चुनावी सिस्टम की जांच करने आना चाहते थे। ब्राजील ने इसे देश के आंतरिक मामलों में अस्वीकार्य दखल करार दिया। नए अमेरिकी राजदूत की नियुक्ति पर भी ब्राजील ने सफाई देते हुए कहा कि अमेरिका ने डेनियल पेरेज का नाम सार्वजनिक रूप से घोषित कर दिया था जबकि औपचारिक मंजूरी के लिए अनुरोध बाद में भेजा गया। ब्राजील के मुताबिक यह वियना कन्वेंशन के अनुच्छेद 4 का उल्लंघन है। बयान में कहा गया, "वियना कन्वेंशन में कहीं यह नहीं लिखा कि मंजूरी कितने दिन में देनी है। अमेरिका का प्रस्ताव अभी हमारी समीक्षा में है।" ब्राजील ने यह भी याद दिलाया कि अमेरिका ने पहले ही ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जजों और वरिष्ठ अधिकारियों पर एकतरफा प्रतिबंध लगाए हुए हैं। इन अधिकारियों के अमेरिकी वीजा भी रद्द किए जा चुके हैं। आरोप है कि उन्होंने राजनीतिक उत्पीड़न किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, जब वीजा रद्द करने की सूचना आई तब राजदूत वियोटी ब्राजील में ही थीं।

यमन ने भारतीय जहाज 'फैज नूरे ओलिया' पर हुए हमले की निंदा की, बोला- ये अंतरराष्ट्रीय नियमों का खुला उल्लंघन

अदन। यमन ने लाल सागर में भारतीय कार्गो जहाज एमएसवी फैज नूरे ओलिया पर हुए हूती हमले की कड़ी निंदा की है। यमन के विदेश और प्रवासी मामलों के मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि विस्फोटक से भरी नाव से किए गए इस हमले में जहाज पूरी तरह डूब गया। इसमें 13 भारतीयों समेत कुल 14 नाविक सवार थे और सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। मंत्रालय ने इस हमले को अंतरराष्ट्रीय और समुद्री नियमों का खुला उल्लंघन करार दिया। सोशल मीडिया पोस्ट में यमन ने कहा, "इससे अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर नौवहन की सुरक्षा और व्यापार की स्वतंत्रता को सीधा खतरा पैदा हुआ है। यमन इस मुश्किल समय में भारत के साथ एकजुटता से खड़ा है और भारतीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। यमनी तटरक्षक बल और यमनी नौसेना द्वारा चलाए गए त्वरित बचाव अभियान में जहाज के सभी 14 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया। इनमें 13 भारतीय नागरिक थे। सभी को सुरक्षित मोचा बंदरगाह पहुंचाया गया।" विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह हमला हूती विद्रोहियों के अपराधों की निरंतर श्रृंखला का हिस्सा है, जिसमें ये शहरों, हवाई अड्डों और ऑयल केंद्रों पर बमबारी करते हैं, निर्यात बाधित करते हैं और यमनी जनता को आय के स्रोतों से वंचित करने का काम करते हैं। हूती हमलों से लाल सागर, बाब-अल-मंदब स्ट्रेट और अदन की खाड़ी में बंदरगाहों और समुद्री नौवहन के लिए खतरा बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर बिना किसी रुकावट के आवाजाही सुनिश्चित होनी चाहिए।

ट्रंप के टैरिफ का चीन ने दिया करारा जवाब, 6 अमेरिकी कंपनियों को किया ब्लैकलिस्ट

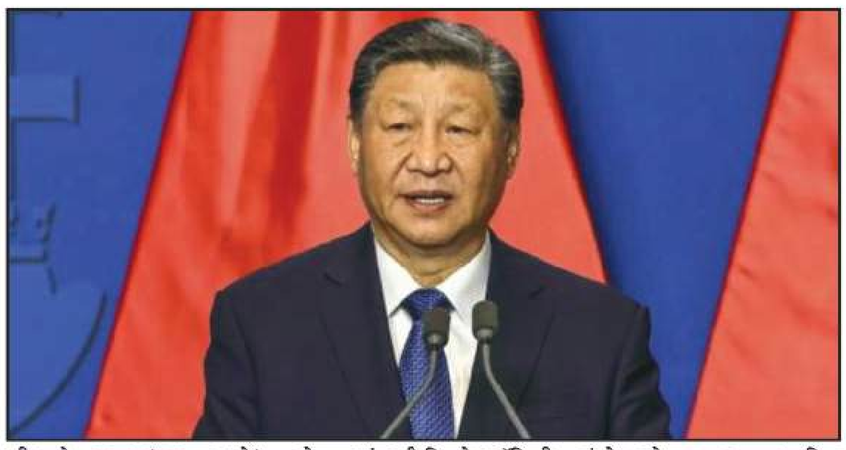

चीन ने आज (बुधवार को) अमेरिका के विरुद्ध कई जवाबी आर्थिक कदम उठाए। चीन ने अमेरिका की 6 कंपनियों को प्रतिबंधों वाली ब्लैकलिस्ट में डाल दिया। साथ ही, अमेरिका भेजे जाने वाले ड्रोन के एक्सपोर्ट पर पाबंदियां और कड़ी कर दीं। यह स्टेप अमेरिका की तरफ से जबरन मजदूरी और नेशनल सिक्योरिटी से जुड़े नए व्यापार प्रतिबंधों के बाद उठाया गया है। ये जवाबी कदम तब उठाए गए जब अमेरिका ने चीन और 50 से ज्यादा दूसरे देशों पर नए टैरिफ लगाए। यह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बिजनेस पॉलिसी का भाग था। चीन का तर्क था कि अमेरिका के लिए "अनुचित" व्यापार घाटे को ठीक करने के लिए ऐसा करना जरूरी था। इन कदमों पर बोलते हुए चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका के इन स्टेप्स से "चीन के जायज हितों और अधिकारों को गंभीर नुकसान पहुंचता है। चीनी प्रवक्ता ने आगे कहा, "इसके जवाब में चीन सिर्फ जरूरी जवाबी कदम उठा सकता है, जिसमें अमेरिका को ड्रोन और उनके महत्वपूर्ण पुर्जों व टेक्नोलॉजी के एक्सपोर्ट पर कंट्रोल को मजबूत करना शामिल है।" चीन ने 6 अमेरिकी कंपनियों पर भी बैन लगा दिया है, जिनमें जियोसाइंस रिसर्च कंपनी 'स्ट्रेटम रिजर्वोयर' और बायोटेक्नोलॉजी फर्म 'एप्लाइड डीएनए साइंसेज' भी शामिल हैं। इन प्रतिबंधों के अंतर्गत चीनी नागरिकों और संगठनों को इन कंपनियों से लेन-देन, सहयोग या अन्य गतिविधियों में शामिल होने से रोक दिया गया है। जान लें कि अमेरिका ने जुलाई में 60 देशों को टैरिफ का झटका दिया था। इसमें भारत पर भी 10 प्रतिशत का एडिशनल टैक्स लगाया गया था।

SPORTS NEWS

Carlos Alcaraz pulls out of Cincinnati Open; will defending champion gain full fitness before US Open?

After missing the French Open and Wimbledon, Carlos Alcaraz was expected to return to tennis at the Cincinnati Open. It was believed to be a perfect opportunity for the Spaniard to get back into the groove ahead of the US Open. However, the right wrist injury has ruled him out of the competition and there's uncertainty regarding his US Open participation. The youngster confirmed his withdrawal from the ATP Masters 1000 tournament on Tuesday, August 4. The event is scheduled to take place from August 11 to 23. Alcaraz, who won the Cincinnati title in 2025, will lose the ranking points gained from that triumph and enter the upcoming hard-court season without a competitive match on the surface. Notably, he has been away from tournament action since sustaining the wrist injury during the Barcelona Open in April. Although the 23-year-old has resumed practice recently, he has not recovered sufficiently to return to competition at the highest level.

Zaheer Khan, former India pacer, joins LPL's Jaffna franchise as co-owner

Former India cricketer Zaheer Khan has joined the Lanka Premier League's Jaffna franchise as the co-owner. The Jaffna franchise has been acquired by a Stockholm-based international sports ownership group, Anchor Sports AB. Zaheer, the 2011 World Cup winner with India, is co-owner of the group. A report in Cricbuzz confirmed the development, adding that the acquisition has been rebranded as 'Anchor Jaffna Kings', as the franchise enters a new ownership era. The Anchor Sports AB group has been owned by Nagendra Siddoutam along with Zaheer. Speaking on the development, Zaheer was 'thrilled' to have been named the co-owner of the Jaffna franchise. "I've always admired the calibre, innovation and variety of bowling talent that comes out of Sri Lanka — it's a country I've visited, competed in, and hold very fond memories of. To now be part of Sri Lankan cricket as an owner is something I'm genuinely thrilled about, and I can't wait to get started with the Jaffna Anchors," Zaheer said in a statement. Meanwhile, the Chairman and CEO of the Innovative Production Group, Anil Mohan, welcomed the Zaheer Khan co-owned group to the LPL fray.

Australia unveil plan before Border-Gavaskar series, list out preparation options ahead of five-match contest

Australia head coach Andrew McDonald has confirmed that his team will not be playing in practice matches before the high-octane Border-Gavaskar series and instead will have a preparatory camp, similar to the sub-continent conditions. The series is set to start from January 21 in Nagpur in what remains one of the most anticipated Test series around the world. Australia last won a Test series in India in 2004-05, and India remains their final frontier. Australia will also be playing in a four-match Test series against New Zealand before the India series. "We feel as though we've got enough time to immerse ourselves in those conditions. We won't be taking on a practice game. It'll just be more around the location," McDonald told 'cricket.com.au '. McDonald further revealed the options Australia have in place for the series. "We've got a couple of options there. We have gone to the UAE previously, and we have also gone into India last time into Bangalore, so we're just working through what that would look like in terms of how we then manage the individuals." Meanwhile, Australia are looking at a dedicated venue to simulate conditions that are expected at the venues for the Test series. "Ultimately, if you can have a dedicated venue that you're able to use and replicate as close to the conditions that you believe you may get in the first Test match or throughout a Test series."

'Test cricket needs them': Ajinkya Rahane weighs in on senior players' inclusion in Test cricket

The stage is set for the Indian team to take on Sri Lanka in a two-game Test series. The two sides are slated to take on each other across two Test matches, starting with the first Test at the Galle International Stadium on August 15th. Shubman Gill will be leading the side, and the Indian team will hope to put in a good show. Ahead of the series, former India cricketer Ajinkya Rahane came forward and talked about the state of the Indian Test team. The veteran batter talked about how the entire Indian Test team is quite new and full of inexperienced players, with few to no seniors. He also claimed that he is fearful for the future of Test cricket in India, as senior players need to be respected and given a chance in the longest format if the side is looking to do well. "Test cricket fans are proper cricket lovers. New players have come in over the last two years in Tests. I still feel Test cricket needs seven to eight senior cricketers and two to three younger players. But what we are seeing now is that all the players are actually new," Rahane said on The Overlap Cricket YouTube channel. "There are hardly any senior players left. Test cricket needs them. You need to respect the senior players. I fear for the future of Test cricket. Especially the Indian team; all the senior players going at once has been the issue," he added. Speaking of the upcoming series between India and Sri Lanka, the two sides will hope to put in their best performance in the series, and the Indian team is holding out hope to reach the WTC (World Test Championship) final and make their way towards the clash with a win against Sri Lanka. It is worth noting that the Shubman Gill-led side needs to win their next six out of nine Test matches if they are looking to qualify for the WTC final, and the same could prove to be a daunting task for the side. India are all set to begin a crucial phase of their World Test Championship (WTC) campaign as they prepare to take on Sri Lanka in a two-match Test series, beginning with the opening Test at the Galle International Stadium on August 15. Under the leadership of Shubman Gill, the Men in Blue will be looking to make a strong statement away from home, especially with their hopes of reaching the next WTC final hanging in the balance. Former vice-captain Ajinkya Rahane has raised concerns over the current composition of the Indian Test side.

Jaydev Unadkat set to continue County Championship stint, slated to join Sussex's camp

Veteran India pacer Jaydev Unadkat is all set to make his return to England in the latter stages of the week to continue his stint in the County Championship. Unadkat will be joining Sussex's camp and will hope to put in a good showing in the tournament. It is interesting to note that Unadkat has been associated with the County Championship since 2023. He will be heading back to Brighton as he is set to feature in the remainder of the county's red-ball campaign. With the ongoing The Hundred and the One-Day Cup underway in England, the County Championship has taken a backseat for now. Unadkat is only contracted with Sussex for the County Championship and will be joining Sussex's camp once the red-ball competitions begin. Speaking on his return, Jaydev Unadkat took centre stage and talked about how the upcoming season will prove to be good preparation for the Indian domestic season for him. "It's back to county cricket. I've been representing Sussex for the last four seasons, and it will be good preparation for the Indian domestic season," Unadkat told Cricbuzz. As for his record in the tournament, it is worth noting that Jaydev Unadkat has taken 57 wickets in 13 County matches. He has made two appearances in the tournament in the ongoing season and has managed to take eight wickets across four innings. Speaking of Sussex, the side is being led by England's Ollie Robinson and currently sits in fifth place in Division One of the County Championship. As for their performances, the side has played eight games in the tournament so far, where they have won four, lost two, and drawn just as many. It is also worth noting that Unadkat won't be the only Indian player featuring in the County Championship.

BWF World Championships' draws revealed, Ayush Shetty faces stern test, Sindhu, Lakshya's opponents confirmed

The draws of the BWF World Championships, set to take place in New Delhi from August 17 to 23, have been revealed. Asian Championships silver medallist Ayush Shetty will be facing a stern test from world champion Shi Yuqi of China in the men's singles opening round. Shetty had lost to Yuqi in the final of the Asian Championships. PV Sindhu, former world champion, will be facing world number 141 Sophia Nobel of Ireland in her first round, while 2022 world championships bronze medallist Lakshya Sen will open his campaign against Collins Valentine Filimon of Austria. Sen could face Kunlavut Vitidsarn of Thailand in the round of 16. In the men's doubles, Satwiksairaj Rankireddy and Chirag Shetty have received a bye in the first round. They will be facing the winners of the match between Alexander Dunn and Adam Pringle of Scotland and Thailand's Chaloempon Charoenkitamorn and Worrapol Thongsa-Nga. Sindhu is set to avoid world number one An Se Young and defending champion Akane Yamaguchi before the medal rounds. She might be up against China's third seed Wang Zhi Yi in the round of 16.

R Praggnanandhaa tops rapid standings at St Louis, takes key lead ahead of blitz

Indian Grandmaster R Praggnanandhaa moved a step closer to qualifying for the Grand Chess Tour Finals after finishing at the top of the rapid standings at the St. Louis Rapid & Blitz tournament. The 20-year-old collected 12 points from a possible 18 in the nine-round rapid section to emerge as the leader despite suffering his only defeat in the final round.

The loss came against Dutch Grandmaster Jorden van Foreest, but it was not enough to dislodge Praggnanandhaa from the top of the standings.

Although he missed the opportunity to extend his advantage with a win in the closing game, he still finished one point clear of Uzbekistan's Javokhir Sindarov, who occupies second place on 11 points. American Grandmaster Wesley So is third with 10 points.

Gujarat CM receives Commonwealth Games flag; marks the beginning of preparations for 2030 event

Gujarat Chief Minister Bhupendra Patel was on Wednesday formally presented with the Commonwealth Games flag, marking the start of preparations for the 2030 event, which will be hosted in Ahmedabad in 2030. Deputy CM Harsh Sanghavi, who attended the recently concluded Glasgow Games, presented the flag to the CM during a cabinet meeting in Gandhinagar. "Deputy Chief Minister Harsh Sanghavi formally presented the Commonwealth Games Flag, with full honour and dignity, to Chief Minister Bhupendra Patel during the state cabinet meeting in Gandhinagar," an official release said. "The Commonwealth Games Flag will now remain in Gujarat until the 2030 Commonwealth Games. Along with advancing Prime Minister Narendra Modi's 'Fit India' vision, it will serve as an inspiration for athletes and symbolise the commencement of preparations for the upcoming event," the release said. Meanwhile, the Gujarat Deputy CM, two-time Olympic medallist Neeraj Chopra and Indian Olympic Association President PT Usha attended the closing ceremony of the Glasgow Games, where they were officially handed the flag for the 2030 Games. It will also be the second time that India will host the Games, after New Delhi hosted it in 2010.

Australia pacer suffers calf injury, can return during South Africa series

Australia pacer Michael Neser has sustained a right calf strain during a training session. The blow delayed his preparations for the upcoming South Africa series in October. However, he is expected to recover in time unless it further complicates. Notably, the 36-year-old was not included in Australia's 13-man squad for the upcoming two-Test home series against Bangladesh, with Pat Cummins and Josh Hazlewood returning from injury to reclaim places in the pace attack. Even after missing selection, Neser had remained in full training and was on standby in case a replacement was required before the series opener in Darwin next week. On the other hand, the injury occurred during a running session and is expected to sideline him for around a month while he undergoes rehabilitation.

उंगलियां, कोहनी और घुटने पड़ गए हैं काले तो न करें नजरअंदाज, ये हो सकते हैं संकेत

चेहरे की देखभाल पर तो ज्यादातर लोग ध्यान देते हैं, लेकिन शरीर के कुछ हिस्से अक्सर नजरअंदाज हो जाते हैं। हाथों की उंगलियों के जोड़, कोहनी और घुटनों पर जमा कालापन खूबसूरती को फीका कर देते हैं। इन हिस्सों के काले होने के पीछे केवल गंदगी या सफाई की कमी नहीं होती, बल्कि शरीर के अंदर कुछ ऐसे बदलाव होते हैं, जो इन हिस्सों को प्रभावित करते हैं। त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार, नकल्स, कोहनी और घुटनों की त्वचा शरीर के दूसरे हिस्सों की तुलना में थोड़ी मोटी होती है। इन जगहों पर बार-बार दबाव पड़ने से त्वचा की ऊपरी परत में केराटिन नामक प्रोटीन की मात्रा बढ़ने लगती है, जिससे वह हिस्सा गहरे रंग का दिखाई देने लगता है। कई बार लगातार घर्षण के कारण शरीर उन जगहों पर मेलेनिन का उत्पादन बढ़ा देता है। मेलेनिन हमारी त्वचा के रंग को तय करता है। जब किसी हिस्से पर बार-बार दबाव या चोट जैसी स्थिति बनती है तो शरीर सुरक्षा के तौर पर वहां ज्यादा मेलेनिन बनाने लगता है, जिससे त्वचा का रंग गहरा हो सकता है। हालांकि, अगर नकल्स, कोहनी या घुटनों का कालापन अचानक बढ़ने लगे, तो इसे केवल बाहरी समस्या मानना सही नहीं है। कई मामलों में यह इंसुलिन रेजिस्टेंस से भी जुड़ा हो सकता है। इस स्थिति में शरीर इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाता और खून में इंसुलिन का स्तर बढ़ने लगता है। इसका असर त्वचा की कोशिकाओं पर भी पड़ सकता है। कुछ लोगों में विटामिन बी12 की कमी के कारण भी त्वचा पर गहरा रंग दिखाई दे सकता है, खासकर अगर उंगलियों के जोड़ों में ज्यादा कालापन आ रहा हो, तो यह शरीर में पोषण की कमी का संकेत हो सकता है। इसके अलावा, थायरॉइड की समस्या या एडिसन डिजीज जैसी कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी त्वचा में बदलाव लाती हैं।

डॉक्टर ने बताए डिप्रेशन के वे लक्षण, जिन्हें लोग अक्सर करते हैं नजरअंदाज

डिप्रेशन के कई शुरुआती लक्षण ऐसे होते हैं जिन्हें लोग सामान्य तनाव, थकान या मूड स्विंग समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। डॉक्टर शालिनी सिंह सलुखें कहती हैं कि समय रहते इन संकेतों की पहचान और सही इलाज मानसिक स्वास्थ्य को बिगड़ने से बचाने में अहम भूमिका निभा सकता है। हर समय उदासीः अगर आप हर समय उदास रहते हैं या किसी भी चीज को लेकर आपको ख़ुशी नहीं महसूस हो रही है तो यह डिप्रेशन का एक आम लक्षण हो सकता है। पसंदीदा काम में दिलचस्पी कम होनाः अगर आपको कोई भी काम करना अच्छा नहीं लग रहा है। अपनी पसंदीदा हॉबीज से भी मन उचटने लगा है तो यह भी अवसाद का एक मुख्य लक्षण है। इसे मेडिकल भाषा में 'एनहेडोनिया कहते हैं जिसमें व्यक्ति को उन चीजों में भी खुशी या मजा नहीं आता जो उसे पहले बहुत पसंद थीं। हर समय थकान महसूस होनाः अगर आराम करने के बाद भी आप हर समय थकान महसूस करते हैं तो यह भी अवसाद का एक लक्षण हो सकता है। ऐसी स्थिति को नार्मल नहीं समझना चाहिए। कम या बहुत ज्यादा नींद आना याः अगर आपको बहुत कम या बहुत ज्यादा नींद आती है तो यह भी अवसाद का लक्षण हो सकता है। डॉक्टर कहती हैं कि मानसिक स्वास्थ्य में गड़बड़ी होने पर नींद का चक्र अक्सर बुरी तरह प्रभावित होता है। डॉ. शालिनी सिंह सलुखें के अनुसार, डिप्रेशन केवल उदासी तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह व्यक्ति की सोच, व्यवहार, भावनाओं और दैनिक जीवन को भी प्रभावित करता है। इसलिए यदि ये लक्षण लगातार दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक बने रहें, तो इन्हें सामान्य तनाव समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसके चलते बिना किसी स्पष्ट कारण के वजन घटना या बढ़ना भी अवसाद का संकेत हो सकता है।

सिर्फ डाइट नहीं, सही आदतें भी हैं जरूरी...ऐसे रखें वजन पर कंट्रोल और रहें लंबे समय तक स्वस्थ

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ता वजन एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। मोटापा सिर्फ शरीर का आकार नहीं बढ़ाता, बल्कि यह कई गंभीर बीमारियों को भी न्योता देता है। टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारी और स्ट्रोक जैसी समस्याओं का खतरा मोटापे के साथ काफी बढ़ जाता है। अक्सर लोग वजन घटाने के लिए खाना कम कर देते हैं या फिर कार्बोहाइड्रेट जैसी चीजें पूरी तरह छोड़ देते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि किसी एक चीज को पूरी तरह छोड़ना सही तरीका नहीं है। शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इसलिए कोशिश करें कि आपकी थाली में फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, दूध और प्रोटीन से भरपूर चीजें संतुलित मात्रा में शामिल हों। हर समय कैलोरी गिनना जरूरी नहीं है, लेकिन यह जानना फायदेमंद हो सकता है कि आपके शरीर को रोज कितनी कैलोरी की जरूरत है। यह आपकी उम्र, लंबाई, वजन, लिंग और रोजाना की शारीरिक गतिविधि पर निर्भर करता है। अगर आप जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेते हैं और उतनी ऊर्जा खर्च नहीं करते, तो वजन बढ़ना तय है। अगर आपको लगता है कि आप जरूरत से ज्यादा खा रहे हैं, तो एक आसान तरीका अपनाइए। रोज क्या खाया, क्या पिया और लगभग कितनी मात्रा में लिया, इसे एक डायरी में लिखना शुरू कर दें। पैकेट वाले खाद्य पदार्थों के न्यूट्रिशन लेबल जरूर पढ़ें और सर्विंग साइज पर भी ध्यान दें। कई बार हमें लगता है कि हमने थोड़ा खाया है, लेकिन वास्तव में कैलोरी काफी ज्यादा ले चुके होते हैं। हालांकि स्वस्थ रहने के लिए सिर्फ डाइट ही नहीं, नियमित शारीरिक गतिविधि भी उतनी ही जरूरी है। वयस्कों को सप्ताह में कम से कम 150 मिनट मध्यम तीव्रता वाली एक्सरसाइज करनी चाहिए। यानी रोज करीब 30 मिनट तेज चाल से चलना, साइकिल चलाना या हल्की दौड़ जैसी गतिविधियां काफी फायदेमंद होती हैं। इसके अलावा सप्ताह में कम से कम दो दिन मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाली एक्सरसाइज भी करनी चाहिए। बच्चों और किशोरों के लिए रोज कम से कम 60 मिनट की शारीरिक गतिविधि जरूरी मानी जाती है। वहीं, 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को संतुलन बनाए रखने वाली एक्सरसाइज, जैसे एक पैर पर खड़े होने का अभ्यास, भी करना चाहिए ताकि गिरने का खतरा कम हो।

सद्गुरु ने बताया इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए कैसे खाना चाहिए आंवला, 1 महीने में दिखने लगेगा शरीर पर असर

आंवला को आयुर्वेद में बहुत ही असरदार और काम का फल माना जाता है। विदेशी बेरीज काफी महंगी आती है लेकिन आंवला को इंडियन बेरीज की लिस्ट में सबसे ऊपर रखा जाता है। आंवला भारत में आसानी से उगने वाला फल है। इसे इंग्लिश में गूजबेरी कहा जाता है। आंवला वैसे तो आपको सभी सीजन में मिल जाएगा, लेकिन सर्दियों में आंवला का सीजन होता है। आंवला में एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो आपकी त्वचा और बालों के लिए वरदान हैं। आंवला खाने से आंखों की रौशनी बढ़ती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। रोजाना 1-2 आंवला खाने से शरीर में विटामिन सी की कमी को आसानी से पूरा किया जा सकता है। आंवला इम्यूनिटी बढ़ाने में असरदार माना जाता है। सद्गुरु भी रोज आंवला खाने की सलाह देते हैं। उन्होंने बताया कि अगर आप इस तरह से आंवला खाएंगे तो इससे इम्यून सिस्टम में तेजी से सुधार आने लगेगा। अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हैं तो आंवला का सेवन जरूर करें। जग्गी वासुदेव सद्गुरु ने बताया कि आंवला को टुकड़ों में काट लें। इसे पूरी रात के लिए शहद में भिगोकर छोड़ दें। इसमें थोड़ी कुटी हुई काली मिर्च डालकर रख दें। ब्लैक पेपर यानि काली मिर्च की जगह आप ग्रीन पेपर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने साफ समझाया कि ग्रीन पेपर का मतलब हरी मिर्च नहीं है बल्कि इसका मतलब है जब पेपर कच्चा होता है। यानि ब्लैक पेपर काला होने से पहले हरे रंग का होता है। उस वक्त इसे तोड़ लें और क्रश करके आंवला में मिला दें। अब इस शहद में डूबे आंवला में से 3 चम्मच दिन में 3 बार रोजाना खाएं। ये आपकी सेहत के लिए सभी चीजों से बेहतरीन काम करेगा। अगर आप इसे सुबह खाली पेट खाते हैं तो 4 से 8 हफ्ते यानि करीब 1 महीने में ही आपको शरीर में काफी फर्क दिखने लगेगा। इससे आपके इम्यून सिस्टम में तेजी से सुधार आने लगेगा।

रोज 1 आंवला खाने के फायदे

आंवला में विटामिन सी होता है जो इम्यूनिटी बढ़ाता है, आंवला में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते जो सूजन कम करते हैं, कब्ज और पाचन से जुड़ी समस्याओं को आंवला दूर करता है, आंतों की सफाई और गुड बैक्टीरिया के लिए आंवला अच्छा है, बालों को घना, काला और मजबूत बनाने में आंवला अच्छा है।

डॉक्टर सलीम ने बताया डायबिटीज के मरीजों को किन दालों का सेवन करना चाहिए

डायबिटीज आज के समय में दुनिया की सबसे तेजी से फैलने वाली बीमारियों में से एक है। खराब लाइफस्टाइल, असंतुलित खान-पान, शारीरिक गतिविधियों की कमी और मानसिक तनाव के कारण यह बीमारी हर उम्र के लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ते जा रही है। डायबिटीज के मरीजों को अपने खान-पान का खास ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। इस बीमारी में ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए जिसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी कम होता है।

ऐसे में आपने कई डायबिटीज के मरीजों को दाल रोटी खाते देखा होगा। लेकिन क्या आपको मालूम है कि डायबिटीज में कौन सी दाल खानी चाहिए। अगर नहीं तो डॉक्टर सलीम से जान लें कि मधुमेह के मरीजों को कौन सी दाल खानी चाहिए। मूंग दाल विशेषकर हरी छिलके वाली मूंग डायबिटीज के मरीजों के लिए सबसे फायदेमंद मानी जाती है। इसका GI काफी कम होता है, जिससे यह खून में धीरे-धीरे ग्लूकोज रिलीज करती है। यह पचने में हल्की होती है और पेट को दुरुस्त रखती है। हरी मूंग दाल का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। नियमित सेवन से हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम होता है। चना दाल में कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स और हाई फाइबर होता है। इसका हाई फाइबर कंटेंट पाचन क्रिया को धीमा करता है, जिससे खाने के बाद अचानक ब्लड शुगर नहीं बढ़ता। डॉक्टर सलीम के मुताबिक, चने की दाल का नियमित और नियंत्रित सेवन शरीर में इंसुलिन की संवेदनशीलता को सुधारता है।

चिया सीड्स खाने से पहले जान लें ये जरूरी बातें, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने बताया कब

चिया सीड्स एक सुपरफूड है। कई पोषक तत्वों से भरपूर होने की वजह से इन दिनों इसका सेवन लोग खूब करने लगे हैं। इसमें मौजूद हाई फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट इसे सुपरफूड बनाते हैं। लेकिन कई लोगों को इसे खाने का सही तरीका नहीं पता है। गलत तरीके से खाने की वजह से शरीर को फायदे की जगह नुकसान होने लगता है।

ऐसे में कैलिफोर्निया स्थित गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी ने अपने यू ट्यूब पर वीडियो शेयर कर बताया है कि इसे खाने का सही तरीका क्या है, इसे कब और कितना खाना चाहिए? चिया सीड्स को ड्राई खाना आपकी सेहत को खराब कर सकता है इसलिए इसे हमेशा भिगोकर खाएं।

भिगोकर खाने से यह आसानी से पच जाता है, ब्लोटिंग नहीं होती है। इसलिए इसका सेवन करने से पहले रात भर भिगोकर रख दें। अगर आप रात में भिगोना भूल गए हैं तो खाने से बीस मिनट पहले भिगो दें। डॉक्टर सौरभ सेठी कहते हैं कि चिया ड्रिंक्स से ज्यादा फायदेमंद चिया योगर्ट का सेवन होता है। इसमें फाइबर के साथ साथ दही की वजह से शरीर को प्रो बायोटिक्स मिलता है जो गट में गुड़ बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं जिससे गट हेल्थ बेहतर होती है।

ब्लड कैंसर से हुई एक्टर प्रदीप रावत की मौत, जान लें इसके क्या लक्षण होते हैं और ये कितने प्रकार का होता है?

बॉलीवुड एक्टर प्रदीप रावत का निधन हो गया। एक्टर ब्लड कैंसर से पीड़ित थे। 74 साल के प्रदीप रावत ने गजनी, लगान और महाभारत जैसी फिल्मों में शानदार एक्टिंग से फैंस का दिल जीत लिया था। प्रदीप रावत पिछले काफी लंबे वक्त से ब्लड कैंसर से जूझ रहे थे। हाल ही में उनकी बीमारी के दोबारा उभरने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई और मंगलवार शाम भिवंडी के एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। ब्लड कैंसर सबसे खतरनाक कैंसर में से एक माना जाता है। आइये दिल्ली के बीएलके मैक्स की फेमस कैंसर स्पेशलिस्ट डॉक्टर गरिमा सिंह से जानते हैं ब्लड कैंसर के क्या लक्षण होते हैं और ये कितने तरह का होता है? भारत में हर साल रक्त कैंसर से करीब 70,000 से ज्यादा लोगों की जान जाती है और 1,00,000 से ज्यादा नए मामले सामने आते हैं। जागरूकता और शीघ्र इलाज ही इसमें बचाव का एक मात्र तरीका है। डॉक्टर गरिमा सिंह, सीनियर कंसल्टेंट रेडिएशन ऑन्कोलॉजी एंड ऑन्कोसर्जरी (बीएलके, मैक्स हॉस्पिटल, दिल्ली) ने बताया कि ब्लड कैंसर उन बीमारियों का एक ग्रुप है जो ब्लड, बोनमैरो और लिम्फेटिक सिस्टम को प्रभावित करती हैं। ब्लड कैंसर तीन तरह के होते हैं।

ब्लड कैंसर के प्रकार

लेकिमिया

लिंफोमा

मल्टीपल मायलोमा

डॉक्टर ने बताया कि भारत में ब्लड कैंसर बच्चों और युवा वयस्कों में आम है। ब्लड कैंसर के सभी टाइप अलग-अलग होते हैं। तेजी से बढ़ने वाले कैंसर में तुरंत इलाज की जरूरत होती है।

ट्रेडमिल पर दौड़ने या पार्क में टहलने, किससे ज्यादा कैलोरी बर्न होती है?

वजन घटाने और फिट रहने के लिए वॉक करना बहुत अच्छा माना जाता है। किसी भी उम्र के लोग इसे आसानी से कर सकते हैं और अपनी फिटनेस को बरकरार रख सकते हैं। इसके लिए कुछ लोग ट्रेडमिल पर दौड़ते हैं और कुछ पार्क के चक्कर लगाते रहते हैं।

रोजाना पैदल चलने से कैलोरी बर्न करने, हार्ट को हेल्दी रखने और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है। बहुत से लोग सोचते हैं कि ट्रेडमिल पर चलना, बाहर खुले में चलने से बेहतर है या नहीं। दोनों के अपने-अपने फायदे और चुनौतियां हैं। इसलिए आपको अपने फिटनेस टारगेट, लाइफस्टाइल और मौसम के हिसाब से चुनना चाहिए कि आप कहां वॉक करेंगे। ट्रेडमिल एक चलने का फायदा है कि आप यहां किसी भी मौसम में और दिन के किसी भी समय रनिंग और वॉक कर सकते हैं। आप अपने हिसाब से स्पीड और उसका झुकाव सेट कर सकते हैं। ट्रेडमिल को इन्क्लाइन करके चलने से ज्यादा कैलोरी बर्न होती हैं। इससे आपके पैरों और कूल्हों की मांसपेशियों पर ज्यादा असर पड़ता है। बिजी रहने वाले लोग या मौसम के पीक वाली जगहों के लिए ट्रेडमिल अच्छा ऑप्शन है। खुल में टहलना भी वजन घटाने में उतना ही कारगर हो सकता है।

सुबह खाली पेट इन 3 चीजों का करें सेवन, शरीर को मिलेगी भरपूर एनर्जी

बहुत से लोग दिन भर अपने खान-पान पर पूरा ध्यान देते हैं, लेकिन सुबह सबसे पहले वे क्या खाते-पीते हैं, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण हो सकता है। पानी पीने से लेकर चाय-कॉफी की चुस्की लेने तक, सुबह की दिनचर्या हर किसी की अलग हो सकती है, लेकिन कुछ आदतों को आपको अपने रूटीन का हिस्सा बना लेना चाहिए। हाल ही में, न्यूट्रिशनिस्ट दीपसिखा जैन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो बता रही हैं कि वो अपने दिन की शुरुआत कौन सी हेल्दी चीजों के साथ करती हैं। न्यूट्रिशनिस्ट दीपसिखा ने बताया कि वह सुबह 6 बजे खाली पेट क्या पीती हैं और इस दिनचर्या का पालन क्यों करती हैं। वह हर सुबह अपना दिन शुरू करने से पहले कौन सी 3 चीजों का सेवन करती हैं। पानी पीकर करें दिन की शुरुआत- दीपसिखा के अनुसार, सुबह उठते ही सबसे पहले वह 250 मिलीलीटर पानी पीती हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें अक्सर प्यास लगती है, इसलिए कुछ भी खाने-पीने से पहले शरीर में पानी की कमी को पूरा करना उनकी उनकी प्राथमिकता होती है। हेल्दी फैट शामिल करें- पानी पीने के बाद न्यूट्रिशनिस्ट हेल्दी फैट लेती हैं। इसके लिए वो ज्यादातर सुबह एक चम्मच शुद्ध नारियल तेल पीती हैं। एनर्जी के लिए ब्लैक कॉफी- ब्लैक कॉफी उन्हें दिन भर अधिक एनर्जेटिक और एकाग्र रहने में मदद करती है।

प्रोसेस्ड फूड और सुस्त लाइफस्टाइल भारतीयों के लिए स्वास्थ्य संकट बढ़ा रहे: एक्सपर्ट

जाने-माने गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. राकेश कलापाला के अनुसार, खाने की आदतों में बड़ा बदलाव, प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता इस्तेमाल और बड़े पैमाने पर सुस्त लाइफस्टाइल भारत की मेटाबोलिक हेल्थ पर बहुत बुरा असर डाल रहे हैं। आईएएनएस के साथ एक खास इंटरव्यू में, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (एआईजी हॉस्पिटल्स) में कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट और सेंटर फॉर ओबेसिटी एंड मेटाबोलिक थेरेपी के डायरेक्टर डॉ. कलापाला ने चेतावनी दी कि मोटापे को अब अलग से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे एक मुश्किल मेटाबोलिक बीमारी के रूप में देखा जाना चाहिए जो "सिर से पैर तक" अंगों को प्रभावित करती है। आजकल के खान-पान के तरीकों के खतरों पर रोशनी डालते हुए, डॉ. कलापाला ने कहा कि ज्यादा कार्बोहाइड्रेट, खराब फैट और रिफाइंड शुगर से भरे बहुत ज्यादा प्रोसेस्ड फूड शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों के बाजारों में छाए हुए हैं। अमेरिकन बैरिएट्रिक एंडोस्कोपी के वाइस चेयर और अमेरिकन, यूरोपियन और जापानी एंडोस्कोपी सोसाइटीज के फेलो डॉ. कलापाला ने कहा, "प्रोसेस्ड फूड खुद ही क्रेविंग बढ़ा देगा क्योंकि पेट देर से भरता है। एक बार जब आप ये फूड खाते हैं, जिनमें ज्यादा कार्ब्स, ज्यादा फैट, और वो भी बिना प्रोटीन वाला खराब फैट होता है, तो यह शरीर की मेटाबोलिक हेल्थ पर बुरा असर डालता है, जिससे वजन बढ़ना, फैटी लिवर, डायबिटीज और दूसरी सिस्टमिक दिक्कतें हो सकती हैं।"

डॉ. कलापाला ने इस बात पर जोर दिया कि जो लोग खुद को पूरी तरह शाकाहारी या शराब नहीं पीते, वे भी मेटाबोलिक डिसऑर्डर का शिकार हो रहे हैं।

उन्होंने समझाया, "इस खाने में बदलाव, सुस्त लाइफस्टाइल और बहुत ज्यादा स्ट्रेस की वजह से, मेटाबोलिक बदलाव होते हैं, खासकर फैटी लिवर। लिवर में फैट होने पर, यह तब तक शांत रहता है जब तक अल्ट्रासाउंड या लिवर फंक्शन टेस्ट से पता नहीं चलता। जब तक किसी को पता चलता है, तब तक लिवर पहले ही डैमेज हो चुका होता है।" उन्होंने आगे कहा कि आजकल के स्ट्रेस पेट-ब्रेन एक्सिस के जरिए इस संकट को काफी बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि "स्ट्रेस एक ऐसी चीज है जो लोगों को ज्यादा खाने और ज्यादा खाने के लिए उकसाएगी," जबकि यह फिजिकल एक्टिविटी को कम करता है। युवा लोगों के बारे में आगे बात करते हुए, डॉ. कलापाला ने आईसीएमआर और नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे स्टडीज के चौंकाने वाले आंकड़ों की ओर इशारा किया, जिसमें दिखाया गया है कि भारत में बचपन में मोटापे की दर 15 से 18 प्रतिशत तक पहुंच गई है। खास बात यह है कि उन्होंने बताया कि बचपन में मोटापे की जड़ें अक्सर गर्भ में ही शुरू हो जाती हैं।

सो रहा था परिवार, अचानक भरभराकर गिर गया 100 साल पुराना मकान, 6 लोगों की मौत; प्रतापगढ़ में दर्दनाक हादसा

यूपी के प्रतापगढ़ जिले के महुली गांव में गुरुवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। यहां 100 वर्ष पुराना एक जर्जर मकान अचानक भरभरा कर गिर गया। इस भीषण दुर्घटना में सो रहे एक ही परिवार के 6 सदस्यों की मलबे में दबकर मौत हो गई, जबकि एक युवक सुरक्षित बच गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, महुली गांव निवासी प्रमोद श्रीवास्तव (60) का मकान काफी पुराना और जर्जर स्थिति में था। 6 अगस्त 2026 को रात करीब 2 बजे जब पूरा परिवार गहरी नींद में था, तभी अचानक पूरा मकान ढह गया। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर दौड़े और तुरंत पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग (फायर ब्रिगेड) की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस और राहत कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और मलबे में दबे सभी लोगों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में एक दंपति, उनका बेटा, बहू और 2 बच्चे शामिल हैं। इस दर्दनाक हादसे में अपनी जान गंवाने वाले में एक ही परिवार के प्रमोद श्रीवास्तव, रीता, नितिन, माधुरी, माधव और अद्विक है।

टेवोल्डे गेब्रेमारियम बने एयर इंडिया के नए CEO और MD, जानें उनके बारे में

एयर इंडिया (Air India) में बड़ा बदलाव हुआ है। कंपनी ने टेवोल्डे गेब्रेमारियम (Tewolde Gebremariam) को एयर इंडिया का नया सीईओ और एमडी बनाया है। इससे पहले इस पद पर कैंपबेल विल्सन (Campbell Wilson) थे, जो वर्ष 2022 से इस एयरलाइन का नेतृत्व कर रहे थे। टेवोल्डे गेब्रेमारियम को एविएशन इंडस्ट्री के सबसे सफल अधिकारियों में गिना जाता है। टाटा संस और एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने इस नियुक्ति पर कहा, "कैंपबेल विल्सन के मार्गदर्शन में स्थलीकरण, एकीकरण और बेड़े की प्रतिबद्धताओं के शुरुआती चरण को पूरा करने के बाद, एयर इंडिया अब एक महत्वपूर्ण निष्पादन और विस्तार के दौर में प्रवेश कर रही है। दुनिया के सबसे कुशल और लाभदायक एयरलाइन समूहों में से एक के निर्माण का टेवोल्डे गेब्रेमारियम का ट्रैक रिकॉर्ड उन्हें एयर इंडिया का नेतृत्व करने के लिए बेहद उपयुक्त बनाता है।" अपनी नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए नए सीईओ और एमडी टेवोल्डे गेब्रेमारियम ने कहा, "एयर इंडिया एक अविश्वसनीय विरासत को समेटे हुए है और एक ऐसी विश्व स्तरीय वैश्विक एयरलाइन के निर्माण का अवसर जो भारत की असाधारण आर्थिक क्षमता को दर्शाता है, बेहद रोमांचक है।"

बिहार-झारखंड और महाराष्ट्र से लेकर पूर्वोत्तर भारत तक आज मूसलाधार बारिश के आसार

नई दिल्ली। दिल्ली समेत कई राज्यों में एक ओर जहां मानसूनी बारिश से मौसम सुहावना हो गया है। वहीं, असम, गुजरात और ओडिशा समेत कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालात हैं और लोग सुरक्षित जगह पर शरण लेने को मजबूर हैं। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार, 6 अगस्त को भी भारत के बड़े हिस्सों में मानसून सक्रिय रहेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश के उत्तरी, पूर्वी, मध्य और दक्षिणी हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम और मेघालय, बिहार, छत्तीसगढ़, तटीय कर्नाटक, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी बारिश की चेतावनी भी जारी की है। आंध्र प्रदेश, केरल और माहे, लक्षद्वीप, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल में कुछ जगहों पर 40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

क्या आज संसद में होगा कामकाज या विपक्ष का हंगामा रहेगा जारी? आज पेश नहीं होगा FCRA संशोधन बिल

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में आज भी गतिरोध जारी रहने के आसार हैं। विपक्ष और सरकार के बीच कोई सहमति न बन पाने के कारण लोकसभा और राज्यसभा में आज भी हंगामा हो सकता है। इससे पहले बुधवार को दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई थी। संसद में विपक्ष के लगातार विरोध-प्रदर्शन के कारण लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी सांसदों से सदन को चलने देने का आग्रह किया और साथ ही राम मंदिर चंदे में कथित घोटाले के मुद्दे का राजनीतिकरण करने के लिए कांग्रेस, CPI और समाजवादी पार्टी की आलोचना की। 6 अगस्त के लोकसभा के Revised Business list में FCRA संशोधन कानून शामिल नहीं है। सरकार के सूत्रों का कहना है कि विपक्ष के साथ संसद चलाने में गतिरोध तोड़ने में अभी तक सफलता नहीं मिली है। सरकार हंगामे के बजाय सुचारू रूप से सभी तथ्यों को सदन में स्पष्ट करके ही इस बिल को पास कराना चाहती है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार रात कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों को लेकर 16 से 18 अगस्त के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। सरकार मौजूदा मानसून सत्र में संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने की नए सिरे से कोशिश कर रही है। इस विधेयक का मकसद 2029 में लोकसभा चुनाव में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करना और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करना है। कुछ राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि स्वतंत्रता दिवस के बाद संसद का विशेष सत्र बुलाकर परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण संशोधन विधेयक फिर से पेश किए जा सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने संसद की कार्यवाही में व्यवधान के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की 13 दिन तक संसद से अनुपस्थिति को जिम्मेदार ठहराते हुए बुधवार को कहा कि विपक्षी सांसद जनता से जुड़े मुद्दों को उठाते रहे हैं। तृणमूल सदस्य ने कहा कि उन्होंने सरकार द्वारा राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय कार्यक्रमों के माध्यम से मदर टेरेसा की 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की 75वीं वर्षगांठ मनाने का मुद्दा उठाने की कोशिश की थी। संसद के मौजूदा गतिरोध के बीच आज भी विपक्ष विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति के साथ सदन में उतर सकता है।

वहीं सरकार की ओर से भी महत्वपूर्ण विधायी कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए विपक्ष से सहयोग की अपील किए जाने की संभावना है। हालांकि दोनों पक्षों के रुख को देखते हुए कार्यवाही के सुचारू रूप से चलने को लेकर संशय बना हुआ है। संसदीय सूत्रों के अनुसार, सरकार की प्राथमिकता लंबित विधेयकों और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी कार्यों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा करना है। वहीं विपक्ष विभिन्न राष्ट्रीय और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहा है। इसी कारण दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन पाने से सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित हो रही है। दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि सरकार पहले उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार हो, तभी सदन

उद्योगपति अनिल धींवा ने डॉ. मुरली मनोहर जोशी से लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली।(विनोद धायल) उद्योगपति अनिल धींवा ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक पुरोधा, पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन विकास (शिक्षा) मंत्री एवं श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख आधार स्तंभ डॉ. मुरली मनोहर जोशी से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान अनिल धींवा ने डॉ. जोशी के साथ विभिन्न राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्नत आयु के बावजूद डॉ. जोशी की वैचारिक स्पष्टता, राष्ट्र के प्रति समर्पण और अद्भुत स्मरणशक्ति आज भी हर पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है। धींवा ने कहा कि डॉ. मुरली मनोहर जोशी का व्यक्तित्व और राष्ट्रहित के प्रति उनका समर्पण भारतीय जनमानस के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे युगदृष्टा और प्रखर विचारक का सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त करना उनके लिए अविस्मरणीय और गौरवपूर्ण क्षण रहा। भेंट के दौरान अनिल धींवा ने डॉ. जोशी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करते हुए उनके मार्गदर्शन को राष्ट्र और समाज के लिए अमूल्य बताया। भेंट के दौरान दोनों के बीच राष्ट्र निर्माण, शिक्षा, सामाजिक मूल्यों और वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। अनिल धींवा ने कहा कि डॉ. मुरली मनोहर जोशी का सार्वजनिक जीवन, सादगी, वैचारिक दृढ़ता और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण नई पीढ़ी के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि डॉ. जोशी ने शिक्षा, विज्ञान और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए जो योगदान दिया है, वह भारतीय जनजीवन में सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके विचार आज भी समाज को सकारात्मक दिशा देने और राष्ट्रहित के लिए कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। अनिल धींवा ने इस अवसर को अपने जीवन का सौभाग्य बताते हुए कहा कि वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्तित्वों का मार्गदर्शन समाज और राष्ट्र के विकास के लिए अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि डॉ. जोशी के अनुभव, दूरदर्शिता और वैचारिक नेतृत्व से आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।

ट्रैफिक पुलिस ने जब्त किया 96 चालान वाला स्कूटर, 10 लाख रुपये तक पहुंच गया था जुर्माना

गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने 96 लंबित चालानों वाले एक स्कूटर को राजीव चौक पर जांच के दौरान जब्त कर लिया।

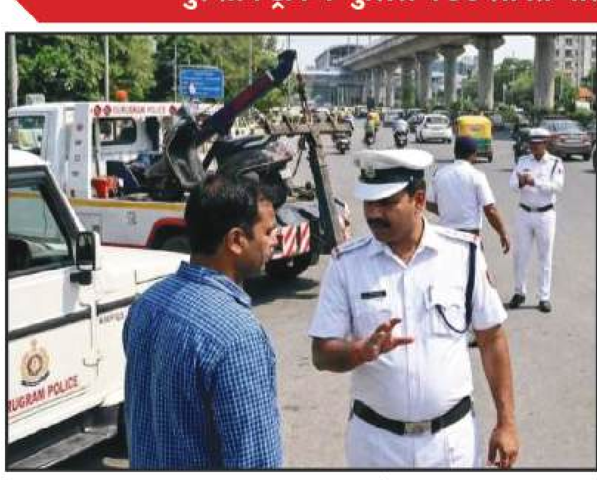

नई दिल्ली। दिल्ली-NCR के गुरुग्राम में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां ट्रैफिक पुलिस ने एक ऐसे स्कूटर को जब्त किया है, जिस पर 96 चालान लंबित थे। इन सभी चालानों का कुल जुर्माना करीब 10 लाख रुपये हो चुका था। गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को राजीव चौक पर गाड़ियों की रूटीन चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान ASI विजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक स्कूटर को जांच के लिए रोका और चालक से वाहन के जरूरी दस्तावेज दिखाने को कहा। हालांकि, स्कूटर चालक कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद पुलिस ने वाहन का रिकॉर्ड जांचा तो पता चला कि स्कूटर के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत 96 चालान लंबित हैं। अधिकारी के मुताबिक, जांच में यह भी सामने आया कि एक चालान ई-चालान मशीन के जरिए जारी किया गया था, जबकि बाकी सभी चालान कैमरा आधारित ट्रैफिक निगरानी सिस्टम से काटे गए थे। इन सभी चालानों की कुल बकाया राशि लगभग 10 लाख रुपये थी। पुलिस ने बताया कि अधिकांश चालान बिना हेलमेट वाहन चलाने, वैध बीमा या इंश्योरेंस नहीं होने, वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (PUC) नहीं होने और अन्य ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के कारण जारी किए गए थे। अधिकारी ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में चालान लंबित होने को देखते हुए गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने स्कूटर को जब्त कर निर्धारित इंपाउंड यार्ड में खड़ा कर दिया। बता दें कि जून में भी गुरुग्राम पुलिस ने एक ऐसी बाइक पकड़ी थी जिस पर 107 चालान पेंडिंग थे। उस बाइक पर चालानों की कुल जुर्माना राशि करीब 2 लाख 36 हजार रुपये पहुंच चुकी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब पुलिस ने बाइक सवार से गाड़ी के कागजात मांगे तो वह कोई कागजात भी पेश नहीं कर पाया। इसके बाद गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बाइक को इंपाउंड कर दिया था। इस बीच ट्रैफिक पुलिस ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करें, वाहन के सभी जरूरी दस्तावेज हमेशा अपडेट रखें और अपने लंबित चालानों का समय पर भुगतान करें, ताकि ऐसी कार्रवाई से बचा जा सके। ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि वह आगे भी इस तरह की कार्रवाई करती रहेगी। गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि शहर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। आधुनिक कैमरा आधारित निगरानी प्रणाली और ई-चालान व्यवस्था के माध्यम से नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

इटारसी के पास पंचवेली एक्सप्रेस के एसी कोच में धुआं, यात्रियों में मची अफरातफरी

एमपी के नर्मदापुरम में आज (बुधवार को) सुबह इटारसी के नजदीक पोलापत्थर रेलवे स्टेशन पर पंचवेली एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 19344) के एक एसी कोच में इलेक्ट्रॉनिक पैनल बॉक्स से अचानक धुआं निकलने लगा। इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। समय रहते धुआं दिखने से एक बड़ा हादसा टल गया। यह घटना सुबह करीब 4 बजे हुई, जब एक महिला यात्री ने बाथरूम से धुआं निकलते देखा। उसने तुरंत रेलवे कर्मचारियों को इसकी सूचना दी, जिसके बाद ट्रेन को पोलापत्थर रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। रेलवे कर्मचारियों ने तत्काल प्रभावित एसी कोच को खाली कराकर उसमें सवार यात्रियों को अन्य कोचों में बैठाया। फिर, सुरक्षा कारणों से ट्रेन लगभग एक घंटे तक पोलापत्थर स्टेशन पर रुकी रही। इसके बाद, पंचवेली एक्सप्रेस को इटारसी रेलवे स्टेशन लाया गया और प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर खड़ा किया गया। रेलवे अधिकारियों ने प्रभावित B2 एसी कोच को ट्रेन से अलग कर दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, तकनीकी और सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। हालांकि, धुआं उठने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। रेलवे की त्वरित कार्रवाई के कारण किसी भी यात्री के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। शुरुआती पड़ताल में इलेक्ट्रॉनिक पैनल बॉक्स में टेक्निकल खराबी या शॉर्ट सर्किट का संदेह जताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इसकी पुष्टि होगी। प्रभावित कोच की तकनीकी जांच की जाएगी, ताकि धुआं उठने की असली वजहों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को तुरंत रोका जा सके। इससे पहले जून महीने में मुरैना में ट्रेन में आग लगने की अफवाह फैलने के बाद यात्री पटरी से कूद गए थे। इस घटना में 4 लोगों की मौत हो गई थी। जब यात्री कूदे तो दूसरे ट्रैक पर पातालकोट एक्सप्रेस ट्रेन आ रही थी और उसने यात्रियों को टक्कर मार दी थी। घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को शांत रहने की अपील की और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में होने की जानकारी दी।

'सोने का सिक्का और रेशमी साड़ी, Gen-Z छात्रों को बांटी जाएंगी आधुनिक साइकिलें', तमिलनाडु सरकार का बजट में बड़ा ऐलान

तमिलनाडु की TVK सरकार ने विधानसभा में पहला बजट पेश किया। टीवीके सरकार के पहले बजट में महिलाओं के लिए 'सोने का सिक्का एवं रेशमी साड़ी योजना' को 812 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा गया है। साथ ही पहली बार हज पर जाने वाले लोगों के लिए सब्सिडी 25,000 रुपये से बढ़ाकर 35,000 रुपये की जाएगी। तमिलनाडु सरकार ने Gen-Z के लिए खास योजना जारी की है। वित्त मंत्री मारिया विल्सन ने सदन में बजट पेश करते हुए बताया कि राज्य में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले 11वीं कक्षा के छात्रों को हेलमेट और पानी की बोतलों वाली आधुनिक साइकिलें बांटी जाएंगी। इन साइकिलों की कीमत 277 करोड़ रुपये हैं। इसके साथ ही वित्त मंत्री एन. मैरी विल्सन ने टेंडर में 'कट' (रिश्वत) रोकने के लिए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की तारीफ की। यह दोहराते हुए कि TVK सरकार NEET का विरोध करती है, विल्सन ने केंद्र से इस परीक्षा को खत्म करने और 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर एडमिशन की पुरानी व्यवस्था को फिर से लागू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य को वित्तीय संकट से बाहर निकालने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि CM विजय ने कुछ पार्टियों और लोगों को टेंडर में मिलने वाले "कट" को रोककर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने सुधारवादी कदमों का भी ज़िक्र किया, जिसमें टेंडर में पारदर्शिता लाना शामिल है।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार । RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415